राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 14 सितंबर 2024 वर्ष–7,अंक–232 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

बहुराष्ट्रीय अभ्यास तरंग शक्ति की रक्षामंत्री राजनाथ ने की तारीफ

नई दिल्ली।

बहुराष्ट्रीय अभ्यास तरंग शक्ति के अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत के साझेदार देशों के बीच सहयोग, समन्वय और विश्वास बढ़ाने के लिए बहुराष्ट्रीय अभ्यास तरंग शक्ति की प्रशंसा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह अभ्यास रक्षा संबंधों को मजबूत करने और सामूहिक सुरक्षा की भावना को बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। रक्षामंत्री ने कहा कि तरंग शक्ति के जरिए भारत ने न केवल साझेदार देशों के साथ अपने रक्षा संबंधों को मजबूत किया है, बल्कि यह भी दिखाया है कि हम जरूरत के समय एक साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न कार्य संस्कृतियां हवाई युद्ध के अनुभव और युद्ध-लड़ाई के सिद्धांत ज्ञान और कौशल के समृद्ध आदान-प्रदान में योगदान करते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि आज, भारतीय वायुसेना सबसे अच्छे और आधुनिक विमानों से सुसज्जित है, जो हमारी प्रगति और क्षमता को दर्शाता है। सिंह ने भारत के रक्षा क्षेत्र में हाल की प्रगति की ओर भी इशारा किया, जिसमें हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और सफान हेलीकॉप्टर इंजन के बीच सहयोग शामिल है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत केवल हथियारों के आयातक से विकसित होकर एक महत्वपूर्ण निर्यातक बन गया है, जिसके रक्षा उपकरण अब करीब 90 देशों में पहुंच रहे हैं।

सीबीएसई की पुनर्गणना के लिए आवेदन प्रक्रिया 18 सितंबर से शुरु होगी

कोटा। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की पुनर्गणना (मार्क्स इम्प्रूवमेंट) के लिए आवेदन प्रक्रिया 18 सितंबर से शुरू हो रही है। आवेदन की अंतिम तिथि 16 अक्टूबर तक रखी है। शिक्षा जानकार अमित आहूजा ने बताया कि जो विद्यार्थी पुर्नगणना के लिए आवेदन करना चाहते हैं उन्हें सीबीएसई की वेबसाइट पर दिए गए प्राइवेट कैंडिडेट लॉगिन पर जाकर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसके लिए विद्यार्थी सभी पांचों विषयों में पुर्नगणना करना चाहता है, तब 1500 रुपए शुल्क, साथ ही यदि वह एक या एक से अधिक विषय में पुर्नगणना देना चाहता है, तब प्रति विषय 300 रुपए परीक्षा शुल्क जमा करवाना होगा। सीबीएसई की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार- इन विद्यार्थियों की परीक्षा फरवरी, मार्च व अप्रैल 2025 में प्रस्तावित मुख्य परीक्षाओं के साथ आयोजित की जाएगी। जानकार आहूजा ने बताया कि हर साल जेईई एडवांस और जेईई मेन देने वाले सबसे ज्यादा स्टूडेंट्स सीबीएसई बोर्ड के ही होते हैं। पिछले कुछ सालों में 2020 से 2022 में आईआईटी एनआईटी में प्रवेश के लिए बोर्ड अंकों की पात्रता में छूट दी गई। पिछले साल 2023 से बोर्ड पात्रता को फिर से लागू किया गया और छात्रों को 12वीं बोर्ड में टॉप-20 प्रतिशत या 75 प्रतिशत प्राप्तांक को अनिवार्य किया गया। इसके बाद में अब इस वर्ष 2025 में भी आईआईटी एनआईटी में प्रवेश के लिए बोर्ड अंकों की पात्रता को लागू किया जाना निश्चित है।

उत्तराखंड में डेंगू मार रहा डंक, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर

देहरादून। स्वास्थ्य मंत्री डा धनसिंह रावत ने राज्य में डेंगू के बढ़ने प्रकोप के मद्देनजर मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन और रेखीय विभागों के साथ समन्वय बनाते हुए डेंगू प्रभावित क्षेत्रों और प्रभावित इलाकों में माइक्रोप्लान के अनुरूप प्रभावी कदम उठाते हुए डेंगू को नियंत्रित किया जाए। और इसकी निगरानी की जाए। रावत ने कहा कि डेंगू की रोकथाम के लिए राज्य सरकार प्रयासरत है। यही वजह है कि इस साल डेंगू नियंत्रण में है, फिर भी हमें सावधानी की जरूरत है।

कुरूक्षेत्र में बारिश से पीएम मोदी की रैली पर छाया संकट

- पंडाल तक जाना भी मुश्किल, पूरा रास्ता कीचड़ से भरा

कुरुक्षेत्र। कुरूक्षेत्र के थीम पार्क में होने वाली रैली के प्रवेश करने के स्थान पर कीचड़-कीचड़ हो गई है। यहां कल पीएम नरेंद्र मोदी रैली करने वाले हैं अब रैली स्े थल पर संकट के बादल छा गए हैं। कुरूक्षेत्र में गुरुवार रात और शुक्रवार सुबह हुई बारिश के चलते रैली का पूरा स्थल पर कीचड़ मच गया है। पंडाल में प्रवेश करना भी मुश्किल है। इस रैली में आयोजकों ने 6 जिलों के 23 विधानसभा क्षेत्रों के बीजेपी प्रत्याशियों और पूरे प्रदेश से हजारों लोगों के शामिल होने के दावे किए हैं, लेकिन बारिश के चलते जो कीचड़ हो गया है, उससे पंडाल में जाना भी बमुश्किल हो गया है और ऐसे में आयोजकों के लिए पीएम मोदी की रैली में भीड़ जुटा पाना भी मुश्किल हो रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक आज और कल कुरूक्षेत्र में बादल छाए रहने और हल्की बूंदाबांदी से तेज बारिश की संभावना जताई गई है। ऐसे में यदि रैली स्थल पर पंडाल तक जाने के रास्ते को ठीक नहीं किया गया और फिर बारिश फिर हो जाती है, तो स्थिति और भी विकट हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर पीएम मोदी की यह हरियाणा में पहली रैली है और वे बीजेपी के 23 प्रत्याशियों के लिए लोगों से वोट देने की अपील करेंगे। इसको लेकर कुरूक्षेत्र में जगह-जगह बोर्ड और होर्डिंग लगाने का काम जोर-शोर से चल रहा है। कार्यकर्ता भी परेशान हैं कि ऐसे में रैली में भीड़ कैसे जुट पाएगी।

पहाड़ों का सीना चीर भारत ने बनाई एशिया की सबसे लंबी वाटर टनल

नई दिल्ली।

बरशेनी से पार्वती नदी का पानी सैंज घाटी के सिउंड तक लाने के लिए बनाई जा रही हेडरेस टनल की खुदाई का काम पूरा कर लिया गया है। यह एशिया की सबसे लंबी वाटर टनल है जिसकी लंबाई 32 किलोमीटर है। यह छह मीटर चौड़ी है। मणिकर्ण घाटी के पूलगा से इस टनल की खुदाई शुरू हुई थी। पार्वती परियोजना का पहला चरण पूरा हो चुका है और बिजली उत्पादन हो रहा है।

पार्वती जल विद्युत परियोजना के दूसरे चरण में मणिकर्ण घाटी के पुलगा से पार्वती नदी का पानी 32 किलोमीटर लंबी टनल के माध्यम से सैंज घाटी के सिउंड में पहुंचाया जाएगा। सिउंड में पार्वती परियोजना का विद्युत उत्पादन एरिया बनाया गया है। पुलगा गांव के समीप कंक्रीट ग्रेविटी बांध से 32 किलोमीटर लंबी सुरंग के भीतर पानी को गुजर जाएगा और इसे सैंज के सिउंड के समीप पावर हाउस में गिराया जाएगा। 1999 में अटल बिहारी ने इस टनल की नींव रखी थी। 25 साल पहले मणिकर्ण घाटी के पूलगा से टनल टनल का निर्माण कार्य शुरू किया गया था। लेकिन बीच में कई बाधाओं का भी परियोजना प्रबंधन को सामना करना पड़ा। जिसके चलते इसके निर्माण कार्य में भी काफी देरी हुई है। यहां पर टनल निर्माण के दौरान पहाड़ी से पानी आने के चलते भी करीब 4 सालों तक इसका निर्माण कार्य बंद रहा। पार्वती परियोजना जिला कुल्लू के तीन इलाके पार्वती, गड़सा और सैंज में स्थित है। यह हिमाचल की सबसे बड़ी परियोजना है। इस परियोजना निर्माण पर 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक की लागत का अनुमान है। पार्वती परियोजना के एक चरण का कार्य पूरा हो चुका है और यहां पर 800 मेगावाट बिजली का उत्पादन भी किया जा रहा है। दूसरे चरण का कार्य भी पूरा हो जाने पर 1500 मेगावाट से अधिक की बिजली का उत्पादन होने लगेगा। कुल मिलाकर हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में बिजली उत्पादन के लिए बनाई जा रही पार्वती परियोजना के दूसरे चरण की अंतिम बाधा को भी पार कर लिया गया है। अब 32 किलोमीटर लंबी टनल के बन जाने से पार्वती प्रोजेक्ट चरण दो में भी जल्े द ही बिजली उत्पादन होने की आस

जगी है। टनल की अंतिम खुदाई पूरी हो चुकी है और अब सिर्फ लाइनिंग का काम शेष बचा है।

कुछ लोगों को पता ही नहीं है कि हमारा संविधान क्या कहता है

-उपराष्ट्रपति धनखड़ ने बिना नाम लिए राहुल गांधी पर साधा निशाना

नई दिल्ली।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बिना नाम लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को पता ही नहीं है कि हमारा संविधान क्या कहता है। आरक्षण हमारे संविधान में अंतर्निहित है। यह सकारात्मक कार्रवाई के रूप में है, यह हमारे संविधान का एक जीवंत पहलू है। कुछ लोग इसे हल्के में लेते हैं। उन्होंने कहा कोई भी व्यक्ति अपने होश में यह दावा कैसे कर सकता है कि कोई व्यक्ति अपने ही देश में पूजा स्थल पर नहीं जा सकता?

उपराष्ट्रपति धरखड़ ने कहा कि इस बात की निंदा करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं, यह अपनी चरम सीमा पर अनुचित है। उन्होंने कहा कि देश के बाहर हर भारतीय को भारत का राजदूत बनना होगा। कितना दुखद है कि एक संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति इसके ठीक उलट काम कर रहा है। इससे ज्यादा निंदनीय, घृणित और असहनीय कुछ नहीं हो सकता कि आप राष्ट्र के दुश्मनों का हिस्सा बन जाएं। उपराष्ट्रपति का यह बयान बीजेपी द्वारा राहुल गांधी पर निशाना साधने के बाद आया है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता की आदत बन गई है कि वे देश को बांटने की साजिश करने वाली ताकतों के साथ खड़े होते हैं। राहुल गांधी अमेरिका में बयान देते हुए भारत के अंदर आरक्षण और धार्मिक स्वतंत्रता के बारे में बात करते हैं। अमेरिका यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने वर्जीनिया में एक भाषण दिया था, जहां उन्होंने भारतीय अमेरिकी समुदाय के सैकड़ों लोगों से बातचीत की थी।

इस दौरान राहुल गांधी ने कहा था आरएसएस कुछ धर्मों, भाषाओं और समुदायों को अन्य की तुलना में कमतर मानता है। उन्होंने कहा कि भारत में राजनीति के लिए नहीं बल्कि इस बात की लड़ाई लड़ी जा रही है। लड़ाई इस बात की है कि क्या एक सिख को भारत में पगड़ी या कड़ा पहनने का अधिकार है या नहीं। या एक सिख के रूप में वह गुरुद्वारा जा सकते हैं या नहीं। राहुल गांधी के इस बयान पर खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने अपना समर्थन दिया था। राहुल गांधी के बयान को जायज ठहराते हुए पन्नू ने कहा कि राहुल गांधी ने काफी बोल्ड स्टेटमेंट दिया है। उनका ये बयान सिख फॉर जस्टिस के अलग खालिस्तान देश की मांग को जस्टिफाई करता है।

बीजेपी की स्टार प्रचारकों की सूची में पीएम मोदी, राजनाथ, शाह भी शामिल

नई दिल्ली।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। बीजेपी के 40 स्टार प्रचारकों में पीएम नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, सीएम नायब सिंह सैनी, योगी आदित्यनाथ और राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का नाम शामिल है। इसके अलावा नितिन गडकरी, मोहन लाल बडोली, मनोहरलाल खट्टर, शिवराज सिंह चौहान, धर्मेंद्र प्रधान, पीयूष गोयल, अर्जुन राम मेघवाल, हरदीप सिंह पुरी, रवनीत सिंह बिट्टू, राव इंद्रजीत सिंह भी हरियाणा में लोगों के बीच जाकर वोट मांगेंगे। वहीं, राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा, डिप्टी सीएम दिया कुमारी, मध्यप्रदेश के सीएम डॉ मोहन यादव, हिमंत बिश्वा सरमा, पुष्कर सिंह धामी, हिमाचल के पूर्व सीएम जयराम ठाकुर भी स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किए गए हैं। वहीं अनुराग ठाकुर, हेमा मालिनी, सुरेंद्र सिंह नागर, बिप्लब कुमार देव, सुधा यादव, कृष्णपाल सिंह गुर्जर, किरन चौधरी, नवीन जिंदल, मनोज तिवारी के अलावा स्थानीय नेता कुलदीप बिश्नोई, बबीता फोगाट, धर्मबीर सिंह, अशोक तंवर, रामचंदर जांगड़ा, सतीश पुनिया, जाट नेता संजीव बालियान भी बीजेपी प्रत्याशियों के लिए प्रचार करेंगे और जनता से वोट मांगेंगे। बता दें कि हरियाणा में 5 अक्टूबर को चुनाव होना है और 8 अक्टूबर को इसके नतीजे आएंगे।

जो ताकतें देश के खिलाफ चलती हैं राहुल गांधी उनके साथ चलते हैं

-केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने जम्मू में कांग्रेस पर किया पलटवार

जम्मू।

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव को लेकर जम्मू में एक सभा में पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के उस बयान पर पलटवार किया, जिसमें उन्होंने बीजेपी नेताओं की तरफ इशारा करते हुए कहा था कि लोकसभा चुनाव 2024 में यदि कांग्रेस की 20 सीटें और आ गई होती तो ये सारे के सारे लोग जेल में होते। अनुराग ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे में कांग्रेस की तानाशाही मानसिकता नजर आती है। खड़गे चुनाव हारने के बाद भी लोकतंत्र और भारत की जनता का अपमान कर रहे हैं। वहीं विदेश में जाकर राहुल गांधी भारत को नीचा दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। राहुल गांधी देश के टुकड़े करने वाले लोगों के साथ नजर आते हैं। बीजेपी देश के टुकड़े करने वालों को जड़ से खत्म करने का काम करती है। कांग्रेस की तानाशाही वाली मानसिकता नहीं चलेगी। इसे देश स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने भारत विरोधी सांसद इल्हान उमर से राहुल गांधी की मुलाकात को देश विरोधी बताया। ठाकुर ने कहा कि जो ताकतें देश के खिलाफ चलती थीं राहुल गांधी उनके साथ चलते हैं। वह भारत विरोधी इल्हान के साथ मुलाकात करते हैं। वहां कौन सा झंडा था। यह लोग क्यों पाक अधिकृत कश्मीर से आए लोगों के और भारतीय समुदाय के हक छीनना चाहते हैं। कांग्रेस पार्टी क्यों आरक्षण को खत्म करना चाहती है।

बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने राज्य में चुनावों के बीच कश्मीर के अनंतनाग में एक सभा में कहा था कि लोकसभा चुनावों में 400 सीटों का दावा करने वाले लोग 246 सीटों पर आ गए। यदि कांग्रेस पार्टी की 20 सीटें और आ गई होती तो ये सभी लोग आज जेल में होते। ये लोग जेल में ही रहने लायक हैं। बीजेपी भाषण बहुत देती है, लेकिन इसकी करनी और कथनी में बहुत ही ज्यादा फर्क है।

अब भारी बारिश को रोकेंगे हमारे वैज्ञानिक, जीपीटी तकनीक का करेंगे इस्तेमाल

नई दिल्ली।

भीषण गर्मी से बचाव के लिए बारिश कराने की तकनीक वैज्ञानिक खोल करते रहे हैं। भारत, चीन समेत दुनिया के कई देशों ने इसमें महारत भी हासिल कर ली है। अब भारतीय वैज्ञानिक एक कदम आगे बढ़ते हुए भारी बारिश को रोकने की भी तकनीक ईजाद करने में जुट गए हैं। अब उन शहरों में बारिश को रोकने या टालने की कोशिश की जाएगी, जहां कोई बड़ा कार्यक्रम होना हो या फिर कोई राष्ट्रीस त्यौहार जैसा अवसर हो। इसके अलावा भारी बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात बन जाते हैं। अगर इस तकनीक में सफलता मिलती है ऐसे हालातों को टाला जा सकेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक अगले एक से डेढ़ साल में इस दिशा में कुछ ठोस प्रगति हो सकती है। इसके तहत कहीं बारिश कराई जा सकेगी और जरूरत पड़ने पर बारिश को टाला भी जा सकेगा। इस तकनीक को मौसम जीपीटी नाम दिया गया है। यही नहीं मौसम की भविष्यवाणी को और सटीक बनाने की दिशा में भी वैज्ञानिक काम कर रहे हैं। यदि ऐसी तकनीक में भारत महारत हासिल करता है तो वह

दुनिया में एक बड़ी सफलता हासिल कर लेगा और मौसम से जुड़े बदलावों को नियंत्रित करने में वह अन्य देशों के मुकाबले एक कदम आगे होगा। ऐसा माना जा रहा है कि इससे बादल फटने जैसी घटनाओं से भी बचाव में मदद मिलेगी। अगले पांच साल में भूगर्भ विज्ञान मंत्रालय एक चैट जीपीटी की तर्ज पर ऐसा ऐप तैयार करने जा रहा है, जिससे मौसम की जानकारियां आसानी से मिल सकेगी। इस एप की मदद से लोगों को मौसम के बदलावों के बारे में लिखित और ऑडियो के जरिए जानकारी मिल सकेगी। बारिश को आगे बढ़ाने या रोकने के लिए पहले से ही क्लाउड सीडिंग तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस तकनीक का अब तक अमेरिका, कनाडा, चीन, रूस और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में इस्तेमाल हो रहा है।

पीएम मोदी के जन्म दिन 17 सितंबर से गुजरात में शुरू होगा 'स्वच्छता ही सेवा 2024' अभियान

'स्वच्छता ही सेवा 2024' अभियान का देशव्यापी प्रारंभ होने वाला है

अहमदाबाद।

स्वच्छता के जन आंदोलन के तथा सुशासन के प्रेरणास्रोत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितंबर मंगलवार से 'स्वच्छता ही सेवा 2024' अभियान का देशव्यापी प्रारंभ होने वाला है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 'स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता' की सामूहिक भावना जन-जन में उजागर करने के उद्देश्य से आयोजित हो रहे इस अभियान को समग्र गुजरात में जन भागीदारी से भारी सफलता दिलाने का संकल्प व्यक्त किया है।

भूपेन्द्र पटेल ने इस संदर्भ में गुरुवार को राज्य के जिला कलेक्टरों तथा महानगर पालिका आयुक्तों के साथ गांधीनगर से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अभियान के आयोजन को अंतिम रूप दिए जाने की सर्वग्राही समीक्षा की। उन्होंने इस बैठक में मार्गदर्शन देते हुए कहा कि राज्यभर में स्वच्छता-सफाई के कार्यक्रम पूरे वर्ष निरंतर चलते रहें, ऐसे मैकेनिज्म की व्यवस्था करके ही हम 'स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता' को सही अर्थ में सार्थक कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य सरकार के पारदर्शी, संवेदनशील एवं प्रो-एक्टिव प्रशासन को अधिक गतिशील बना कर जनता की व्यक्तिगत समस्याओं के स्थल पर निवारण के अभिनव प्रयोग 'सेवा सेतु' के 10वें चरण के आयोजन की पूर्व तैयारियों की भी समीक्षा की। गुजरात में 'स्वच्छता ही सेवा 2024' और 'सेवा सेतु' का 10वाँ चरण; दोनों 17 सितंबर से 31 अक्टूबर तक जन भागीदारी के साथ आयोजित होने वाले हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के समक्ष इन दोनों जनहितकारी कार्यक्रमों के विस्तृत कार्यायोजन का प्रेजेंटेशन दिया गया। मुख्य सचिव राज कुमार ने जिलों व महानगरों में इन कार्यक्रमों के संदर्भ में प्रशासन की तैयारियों की गहनतापूर्वक समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष का 'स्वच्छता ही सेवा 2024' अभियान तीन स्तंभों पर आयोजित किया जाएगा। तद्अनुसार क्लीनलीनेस टारगेट यूनिट्स (सीटीयू) आइडेंटिफाई करके उनकी साफ-सफाई निश्चित समय सीमा में करने के साथ समग्र रूप से सामान्य साफ-सफाई को भी प्राथमिकता दी जाएगी। राज्य में अब तक ऐसे 14778 सीटीयू की पहचान कर ली गई है।

इस अभियान में जन भागीदारी को व्यापक रूप से जोड़ने के लिए स्वच्छता शपथ, नुक्कड़ नाटकों, वॉल पेंटिंग, वेस्ट टु आर्ट के अलावा स्वच्छता की थीम आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। सरकारी कार्यालयों में स्वच्छता-सफाई को प्रोत्साहित करने के लिए जिला-राज्य स्तरीय स्वच्छ कार्यालय प्रतियोगिताएँ आयोजित होंगी और स्वच्छता की सामूहिक शपथ ग्रहण करवाई जाएगी। स्वच्छता मित्र यानी सफाई कर्मयोगियों तथा सफाई वाहकों के लिए सुरक्षा शिविरों, स्वास्थ्य जाँच शिविरों तथा सामाजिक सुरक्षा की विभिन्न योजनाओं के लाभ उन्हें देने के विषय को भी इस अभियान के तीसरे स्तंभ के रूप में शामिल किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस 'स्वच्छता ही सेवा 2024' अभियान में विभिन्न मापदंडों में श्रेष्ठता-उत्कृष्टता के लिए श्रेष्ठ जिला, तहसील व गाँव सहित कुल 34.80 करोड़ रुपए के 222 पुरस्कार 'निर्मल गुजरात 2.0' अंतर्गत दिए जाएंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत के मार्च 2026 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के संकेत

द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात लगातार 4 दशकों तक जर्मनी पूरे यूरोपीयन यूनियन में तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहा। इस दौरान विनिर्माण इकाईयों के बल पर जर्मनी ने अपने आप को विश्व में विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित कर लिया था एवं विभिन्न उत्पादों, विशेष रूप से कार, मशीनरी एवं केमिकल उत्पादों का निर्यात पूरे विश्व को भारी मात्रा में किया जाने लगा था। पिछले 20 वर्षों के दौरान जर्मनी पूरे यूरोपीयन यूनियन के विकास का इंजिन बना हुआ था। चूंकि चीन की अर्थव्यवस्था बहुत तेजी से विकास कर रही थी अतः पिछले 20 वर्षों के दौरान चीन, जर्मनी से लगातार मशीनरी, कार एवं केमिकल पदार्थों का भारी मात्रा में आयात करता रहा है।

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.93 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है। जबकि, जापान के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.21 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का है एवं जर्मनी के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.59 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। भारत की आर्थिक विकास दर लगभग 8 प्रतिशत प्रतिवर्ष बनी हुई है और जापान एवं जर्मनी की आर्थिक विकास दर लगभग स्थिर है अथवा इसके ऋणात्मक रहने की भी प्रबल सम्भावना है। इस दृष्टि से मार्च 2025 तक भारत जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़कर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा एवं मार्च 2026 तक भारत जर्मनी की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। हाल ही के समय में जर्मनी एवं जापान की अर्थव्यवस्थाओं में विभिन्न प्रकार की समस्याएं दृष्टिगोचर हैं, जिनके कारण इन दोनों देशों की आर्थिक विकास दर आगे आने वाले वर्षों में विपरीत रूप से प्रभावित रह सकती है। द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात लगातार 4 दशकों तक जर्मनी पूरे यूरोपीयन यूनियन में तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहा। इस दौरान विनिर्माण इकाईयों के बल पर जर्मनी ने अपने आप को विश्व में विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित कर लिया था एवं विभिन्न उत्पादों, विशेष रूप से कार, मशीनरी एवं केमिकल उत्पादों का निर्यात पूरे विश्व को भारी मात्रा में किया जाने लगा था। पिछले 20 वर्षों के दौरान जर्मनी पूरे यूरोपीयन यूनियन के विकास का इंजिन बना हुआ था। चूंकि चीन की अर्थव्यवस्था बहुत तेजी से विकास कर रही थी अतः पिछले 20 वर्षों के दौरान चीन, जर्मनी से लगातार मशीनरी, कार एवं केमिकल पदार्थों का भारी मात्रा में आयात करता रहा है। परंतु, अब परिस्थितियां बदल रही हैं क्योंकि चीन की अर्थव्यवस्था भी हिचकोले खाने लगी है और चीन ने विभिन्न उत्पादों का जर्मनी से आयात कम कर दिया है। अतः अब जर्मनी अर्थव्यवस्था पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। आज बदली हुई परिस्थितियों में चीन, जर्मनी में निर्मित विभिन्न उत्पादों का आयात करने के स्थान पर वह जर्मनी का प्रतिस्पर्धी बन गया है और इन्हीं उत्पादों का निर्यात करने लगा है। दूसरे, पिछले लगभग 2 वर्षों से रूस ने भी ऊर्जा की आपूर्ति यूरोप के देशों को रोक दी है, रूस द्वारा निर्यात की जाने वाली इस ऊर्जा का जर्मनी ही सबसे अधिक लाभ उठाता रहा है। तीसरे, जर्मनी में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और एक अनुमान के अनुसार जर्मनी में आगे आने वाले एक वर्ष से कार्यकारी जनसंख्या में प्रतिवर्ष एक प्रतिशत की कमी आने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इससे उपभोक्ता खर्च पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। चौथे, जर्मनी में नागरिकों की उत्पादकता भी कम हो रही है। जर्मनी में प्रत्येक नागरिक वर्ष भर में केवल 1300 घंटे का कार्य करता है जबकि ह्रश्वष्ट देशों में यह औसत 1700 घंटे का है। पांचवे, यूरोपीयन यूनियन में वर्ष 2035 में पेट्रोल एवं डीजल पर चलने वाले चार पहिया वाहनों के उत्पादन पर रोक लगाई जा सकती है जबकि इन कारों का निर्माण ही जर्मनी में अधिक मात्रा में होता है तथा जर्मनी की कार निर्माता कम्पनियों ने बिजली पर चलने वाले वाहनों के निर्माण पर अभी बहुत अधिक ध्यान नहीं दिया है। साथ ही, जर्मनी ने नवाचार पर भी कम ध्यान दिया है एवं स्टार्ट अप विकसित करने में बहुत पीछे रहा है आज इन क्षेत्रों में अमेरिका एवं चीन बहुत आगे निकल गए हैं एवं जर्मनी आज अपने आप को असहाय सा महसूस कर रहा है। अतः जर्मनी अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव आगे आने वाले लम्बे समय तक चलने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

वैश्वीकरण की प्रक्रिया का प्रभाव भी जर्मनी अर्थव्यवस्था पर पड़ा है एवं अब पूरे विश्व में गैरवैश्वीकरण की प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। आज प्रत्येक विकसित एवं विकासशील देश अपने पैरों पर खड़ा होकर स्वावलंबी बनना चाहता है। अतः जर्मनी जैसे देशों से मशीनरी एवं कारों का निर्यात कम हो रहा है साथ ही इन उत्पादों की तकनीकि भी लगातार बदल रही है जिसे जर्मनी की विनिर्माण इकाईयां उपलब्ध कराने में असफल सिद्ध हुई हैं। पिछले 5 वर्षों के दौरान जर्मनी अर्थव्यवस्था में विकास दर हासिल नहीं की जा सकी है।

जर्मनी में सितम्बर 2023 माह में वोक्सवेगन (**Volkswagen**) कम्पनी ने अपनी दो विनिर्माण इकाईयों को बंद करने का निर्णय लिया है। यह कम्पनी जर्मनी में 3 लाख से अधिक रोजगार के प्रत्यक्ष अवसर उपलब्ध कराती है तथा अन्य लाखों नागरिकों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराती हैं। इस कम्पनी ने जर्मनी में अपनी विनिर्माण इकाईयों में उत्पादन कार्य को काफी हद तक कम कर दिया है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों से इस कम्पनी के उत्पादों की बिक्री लगातार कम हो रही है। पिछले 5 वर्षों के दौरान इस कम्पनी की बाजार कीमत आधे से भी कम रह गई है। इस कम्पनी की उत्पादन इकाईयों में चार पहिया वाहनों का निर्माण किया जाता रहा है परंतु अब इन उत्पादन इकाईयों में बिजली पर चलने वाली कारों के निर्माण में बहुत परेशानी आ रही है। बिजली पर चलने वाली कारों का जर्मनी में उत्पादन बढ़ाने के स्थान पर चीन से इन कारों का बहुत भारी मात्रा में आयात किया जा रहा है। अपनी आर्थिक परेशानियों को ध्यान में रखते हुए जर्मनी ने यूक्रेन को टैंकों की आपूर्ति भी रोक दी है। दरअसल कोरोना महामारी के बाद से ही, वर्ष 2020 के बाद से, जर्मनी की अर्थव्यवस्था अभी तक सही तरीके से पूरे तौर पर उबर ही नहीं सकी है।

एक अनुमान के अनुसार जर्मनी अर्थव्यवस्था का आकार वर्ष 2024 में भी कम होने जा रहा है, यह वर्ष 2023 में भी कम हुआ था और इसके वर्ष 2025 में भी सुधरने की सम्भावना कम ही दिखाई दे रही है। जर्मनी के सकल घरेलू उत्पाद में वर्ष 2024 के दौरान 0.1 प्रतिशत की कमी की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। बेरोजगारी की दर भी 6.1 प्रतिशत के स्तर तक ऊपर जा सकती है। जर्मनी अर्थव्यवस्था केवल चक्रीय ही नहीं बल्कि संरचनात्मक क्षेत्र में भी समस्याओं का सामना कर रही है। इसमें सुधार की कोई सम्भावना आने वाले समय में नहीं दिख रही है। हालांकि यूरोपीयन यूनियन में जर्मनी की अर्थव्यवस्था सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है परंतु फिर भी भारत, उक्त कारणों के चलते, जर्मनी की अर्थव्यवस्था को मार्च 2026 तक पीछे छोड़ देगा, ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

इसी प्रकार, पिछले लगभग 30 वर्षों के दौरान जापान की अर्थव्यवस्था में मुद्रा स्फीति, ब्याज दरें एवं येन की कीमत स्थिर रही है। परंतु, हाल ही के समय में येन का अंतरराष्ट्रीय बाजार में अवमूल्यन हो रहा है एवं यह 160 येन प्रति अमेरिकी डॉलर के स्तर पर आ गया है, जो वर्ष 2009 के बाद से कभी नहीं रहा है। जापान की अर्थव्यवस्था कई उत्पादों के आयात पर निर्भर करती है। जापान अपनी ऊर्जा की आवश्यकताओं का 90 प्रतिशत एवं खाद्य सामग्री का 60 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है। जापान द्वारा आयात की जाने वाली वस्तुओं की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत बढ़ने से जापान में भी आयातित मुद्रा स्फीति की दर बढ़ रही है जो पिछले एक दशक के दौरान लगातार स्थिर रही है।

वर्ष 1955 से वर्ष 1990 के बीच जापान की अर्थव्यवस्था औसत 6.8 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से आगे बढ़ती रही। वर्ष 1990 तक जापान का स्टॉक मार्केट लगातार बढ़ता रहा एवं अचानक वर्ष 1990 में यह बुलबुला फट पढ़ा और जापान में आवासीय मकानों की कीमत 50 प्रतिशत तक गिर गई एवं व्यावसायिक मकानों की कीमत 85 प्रतिशत तक गिर गई। जापान के पूंजी बाजार में निक्के स्टॉक सूचकांक भी 75 प्रतिशत तक गिर गया।

जापान की अर्थव्यवस्था में तेजी के दौरान आस्तियों की बढ़ी हुई कीमत पर ऋण लिए गए थे परंतु जैसे ही इन आस्तियों की कीमत बाजार में कम हुई, नागरिकों को ऋणराशि की किश्तें चुकाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा और इससे भी जापान में आर्थिक समस्याएं बढ़ी थी। दिवालिया होने वाले नागरिकों की संख्या बढ़ी और देश में अपस्फीति की समस्या प्रारम्भ हो गई थी। जापान की सरकार ने आर्थिक तंत्र में नई मुद्रा की मात्रा बढ़ाई और ब्याज दरों को लगभग शून्य कर दिया। इन समस्त उपायों से भी जापान में आर्थिक समस्याओं का हल नहीं निकल सका। वर्ष 2022 में जापान में भी विश्व के अन्य देशों की तरह मुद्रा स्फीति बढ़ने लगी थी परंतु जापान ने ब्याज दरों को नहीं बढ़ाया। अब कुल मिलाकर जापान अपनी आर्थिक समस्याओं से जूझ रहा है एवं वहां पर आगे आने वाले समय में आर्थिक विकास के पटरी पर आने की सम्भावना कम ही नजर आती है अतः भारत जापान की अर्थव्यवस्था को मार्च 2025 तक पीछे छोड़कर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है।

संपादकीय

बुढ़ापे का सुरक्षा कवच

ऐसे वक्त में जब भारतीय परिवारों के स्वरूप में बदलाव के बाद करोड़ों बुजुर्ग एकाकी जीवन बिता रहे हैं और उनके पास महंगे इलाज के लिये पर्याप्त जमा पूंजी नहीं है, वे अब भविष्य की चिंताओं से कुछ मुक्त हो सकते हैं। निस्संदेह, बुढ़ापा भी अपने आप में एक रोग है। जब आय के स्रोत सिमट जाते हैं और बच्चों से पर्याप्त मदद नहीं मिलती तो शरीर में रोग दस्तक देने लगते हैं, फिर महंगे इलाज की चिंता और बढ़ जाती है। अकसर भारत में कर्मचारी व आम लोग कहते हैं कि वे जीवन भर आयकर चुकाते हैं, लेकिन बुढ़ापे में सरकार की ओर से सामाजिक सुरक्षा ना के बराबर होती है। लेकिन अब मोदी सरकार ने लोकतंत्र के सामाजिक कल्याणकारी स्वरूप को तरजीह दी है। केंद्र सरकार ने अब सत्तर साल से ऊपर के सभी वरिष्ठ नागरिकों को 'आयुष्मान भारत' योजना में शामिल करने का निर्णय लिया है। कहा जा रहा है कि करीब साढ़े चार करोड़ परिवार इस योजना में शामिल होंगे। इन परिवारों के छह करोड़ वरिष्ठ नागरिक इस योजना के अंतर्गत मुफ्त इलाज करा सकेंगे। दरअसल वर्ष 2018 में शुरू हुई आयुष्मान भारत योजना में अब तक केवल गरीब परिवार ही शामिल हो सकते थे, जिन्हें पांच लाख का कैशलेस कवर दिया जाता था। अब इस योजना का लाभ सभी बुजुर्गों को दिया जाएगा। बहुत संभव है कि इस समय जब कुछ राज्यों में चुनाव की प्रक्रिया चल रही है तो इस घोषणा के राजनीतिक निहितार्थों पर चर्चा हो सकती है। लेकिन भाजपा ने 2024 में लोकसभा चुनाव के लिये जारी घोषणापत्र में वायदा किया था कि सरकार बनने के बाद आयुष्मान भारत योजना के दायरे को बढ़ाकर इसमें सभी वरिष्ठ नागरिकों को शामिल किया जाएगा। अब चाहे उनकी सामाजिक व आर्थिक स्थिति कुछ भी हो। अब इस योजना के तहत उन्हें अलग से कार्ड जारी किए जाएंगे। निश्चित रूप से देश में सामाजिक रूप से तेजी से बदलाव आ रहा है। संयुक्त परिवारों की जगह अब एकल परिवार ले रहे हैं। बच्चे सीमित संसाधनों व अन्य कारणों से अपने बुजुर्ग माता-पिता का पूरी तरह ख्याल रखने में सक्षम नहीं दिखते। ऐसे में वृद्धों के लिये यह कदम सामाजिक सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण कहा जा सकता है। उल्लेखनीय है कि जो कमजोर वर्ग के वरिष्ठ नागरिक आयुष्मान भारत योजना का लाभ ले रहे थे, उन्हें पांच लाख रुपये टॉप-अप कवर मिल सकेगा। वहीं योजना के विस्तार में प्रावधान है कि यदि परिवार में 70 साल के दो बुजुर्ग हैं तो इस योजना का लाभ उन्हें साझा रूप में मिलेगा। वहीं दूसरी ओर सत्तर साल से अधिक उम्र के वे वरिष्ठ नागरिक जो पहले ही केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं तथा दूसरी सार्वजनिक स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं, वे अपनी पुरानी योजना या नई योजना का विकल्प चुन सकते हैं। उल्लेखनीय है कि इस योजना का व्यय केंद्र व राज्य सरकारें मिल कर उठाती हैं। वरिष्ठ नागरिक इस योजना का लाभ निजी व राजकीय अस्पतालों में ले सकते हैं। वहीं सरकार की ओर से बताया गया है कि जो सत्तर साल से अधिक के नागरिक प्राइवेट बीमा योजना या फिर राज्य कर्मचारी बीमा योजना का लाभ ले रहे हैं, वे भी नई योजना का लाभ लेने के अधिकारी होंगे। लेकिन उन्हें इस योजना के लिये आवेदन करना होगा। सरकार ने फिलहाल इस योजना के लिये करीब साढ़े तीन हजार करोड़ का बजट रखा है और आवश्यकता पड़ने पर बजट बढ़ाने की बात कही है।

हिंदी एक भाषा नहीं बल्कि एक भावना

हिंदी दिवस का उत्सव भाषाई और सांस्कृतिक बहुलवाद के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।हिंदी दिवस पर, यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि भारत कई क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों के साथ भाषाई विविधता का देश है। हिंदी दिवस राष्ट्रीय एकता के प्रतीक के रूप में हिंदी को कायम रखते हुए इस विविधता को संरक्षित और सम्मान करने की आवश्यकता की याद दिलाता है।हिंदी दिवस सिर्फ एक भाषा का उत्सव नहीं बल्कि भारत की विविधता में एकता का भी उत्सव है।14 सितंबर इसी भावना को मनाने के लिए समर्पित दिन है। भारतीय इस दिन को हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं, क्योंकि यह देश की आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में हिंदी को अपनाने की याद दिलाता है।हिंदी एक ऐसी भाषा है जिसकी लिपि देवनागरी है।

(लेखक- संजय गोस्वामी)

हिंदी, भारत की मातृभाषा है। यह सबसे अधिक बोली जाने वाली और सम्मानित भाषाओं में से एक है। भारतीयों के लिए हिंदी एक भाषा नहीं बल्कि एक भावना है। 14 सितंबर इसी भावना को मनाने के लिए समर्पित दिन है। भारतीय इस दिन को हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं, क्योंकि यह देश की आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में हिंदी को अपनाने की याद दिलाता है। इस दिन को इसलिए चुना गया क्योंकि यह ब्योहर राजेंद्र सिम्हा की जन्मतिथि है। वह एक प्रमुख हिंदी विद्वान थे और हिंदी को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते थे।हिंदी एक ऐसी भाषा है जिसकी लिपि देवनागरी है। यह भाषा विविध भाषाई और सांस्कृतिक परिदृश्य को एक साथ जोड़ने में एकीकृत भूमिका निभाती है। एक भाषा के रूप में हिंदी संचार के माध्यम के रूप में कार्य करती है जो लोगों और क्षेत्रों को जोड़ती है, राष्ट्रीय पहचान की भावना को बढ़ावा देती है। हिंदी दिवस का उत्सव भाषाई और सांस्कृतिक बहुलवाद के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।हिंदी दिवस पर, यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि भारत कई क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों के साथ भाषाई विविधता का देश है। हिंदी दिवस राष्ट्रीय एकता के प्रतीक के रूप में हिंदी को कायम रखते हुए इस विविधता को संरक्षित और सम्मान करने की आवश्यकता की याद दिलाता है। हिंदी दिवस सिर्फ एक भाषा का उत्सव नहीं बल्कि भारत की विविधता में एकता का भी उत्सव है।14 सितंबर इसी भावना को मनाने के लिए समर्पित दिन है। भारतीय इस दिन को हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं, क्योंकि यह देश की आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में हिंदी को अपनाने की याद दिलाता है। हिंदी एक ऐसी भाषा है जिसकी लिपि देवनागरी है। यह भाषा विविध भाषाई और सांस्कृतिक परिदृश्य को एक साथ जोड़ने में एकीकृत भूमिका निभाती है। एक भाषा के रूप में हिंदी संचार के माध्यम के रूप में कार्य करती है जो लोगों और क्षेत्रों को जोड़ती है, राष्ट्रीय पहचान की भावना को बढ़ावा देती है।हिंदी दिवस 2024 के अवसर पर हमें अपनी भाषा का सम्मान करने और इसके संरक्षण के लिए आवश्यक कदम उठाने की शपथ ले। हिंदी दिवस का उत्सव भाषाई और सांस्कृतिक बहुलवाद के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।14 सितंबर इसी भावना को मनाने के लिए समर्पित दिन है। भारतीय इस दिन को हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं, क्योंकि यह देश की आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में हिंदी को अपनाने की याद दिलाता है। 26 जनवरी, 1950 को हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में अपनाया गया था, उसी दिन जब भारतीय संविधान लागू हुआ था। इस निर्णय को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 के माध्यम से औपचारिक रूप दिया गया, जिसने अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी को भारत सरकार की आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दी, जिसका उपयोग एक संक्रमणकालीन अवधि के लिए किया जाना था।14 सितंबर वह दिन है जब भारतीय हर साल हिंदी दिवस मनाते हैं। यह एक महत्वपूर्ण अवसर है जो हिंदी भाषा के महत्व और योगदान को उजागर करता है।हिंदी दिवस का पहली बार मनाया जाना 1949 में हुआ था। उस समय, भारत की संविधान सभा ने हिंदी को देश की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया था। हिंदी दिवस को मनाने का निर्णय इस महत्वपूर्ण अवसर को चिह्नित करने के लिए लिया गया था।हिंदी भाषा भारत की सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह देश की विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों को जोड़ने में मदद करती है। हिंदी भाषा का व्यापक रूप से भारत में और दुनिया भर में उपयोग किया जाता है। यह शिक्षा, व्यापार, और सरकारी कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।हिंदी दिवस के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों में कविता पाठ, नाटक, गायन, और भाषण शामिल होते हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य हिंदी भाषा के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और लोगों को हिंदी भाषा का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना है।हिंदी दिवस का भारत पर गहरा प्रभाव पड़ा है। यह हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाया है। हिंदी भाषा का उपयोग बढ़ने से देश की एकता और राष्ट्रीय पहचान को मजबूत करने में मदद मिली है। हिंदी भाषा का व्यापक उपयोग भारत के विकास और प्रगति में भी योगदान देता है।हिंदी दिवस भारत के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह हिंदी भाषा के महत्व को उजागर करता है और इसके विकास को बढ़ावा देता है। हिंदी भाषा का उपयोग बढ़ने से भारत की एकता और राष्ट्रीय पहचान मजबूत होती है। हमें हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी भाषा का सम्मान करना चाहिए और इसका उपयोग बढ़ाने के लिए प्रयास करना चाहिए। समय के साथ, आधुनिकीकरण के इस दौर में विकसित होने के साथ-साथ हमारा हिंदी का ज्ञान भी कम होता जा रहा है। इस प्रकार, हिंदी दिवस का पहला और सबसे महत्वपूर्ण कारण हिंदी को एक भाषा के रूप में बढ़ावा देना है। दूसरा कारण राष्ट्र में भाषाई इकाइयों को बढ़ावा देना है। हिंदी दिवस का उद्देश्य सांस्कृतिक विरासत और बहुभाषावाद को बढ़ावा देना भी है। इससे हम अपनी राष्ट्रीय पहचान, शिक्षा और साक्षरता की रक्षा कर सकते हैं। दार्शनिकों और महान शिक्षाविदों ने कहा है कि जो राष्ट्र अपनी भाषा का सम्मान और पालन नहीं करता, उसका विनाश आसान होता है। हिंदी ने साहित्य, कला, संगीत, और फिल्म उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हिंदी साहित्य की अनगिनत रचनाएँ, जैसे कि प्रेमचंद की कहानियाँ, हरिवंश राय बच्चन की कविताएँ, और अनेक आधुनिक लेखकों की कृतियाँ, हमारे मन और आत्मा को छू जाती हैं। हिंदी भाषा ने हमें एक समान मंच प्रदान किया है जहां हम अपनी भावनाओं, विचारों और संस्कारों को साझा कर सकते हैं।हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका केवल साहित्यिक या सांस्कृतिक संदर्भ में ही नहीं है, बल्कि यह हमारी सामाजिक और राष्ट्रीय एकता को भी सुदृढ़ करती है। भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में, हिंदी एक ऐसा साझा माध्यम है जो विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों के बीच समझ और संवाद का पुल तैयार करता है। इस प्रकार, हमें अपनी विरासत को जीवित रखना चाहिए और अपनी भावी पीढ़ियों और उनकी जड़ों के ज्ञान को मजबूत करने के लिए इसका पालन करना चाहिए। आइए मिलकर इस हिंदी दिवस को मनाएं।

विचार मंथन

तेल कंपनियों की डीजल-पेट्रोल मे खुलेआम मुनाफाखोरी

(लेखक- सनत जैन)

कई महीनो से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल के दाम लगातार गिर रहे हैं। इसके बाद भी भारतीय तेल कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार मे तेल के दाम घटने के बाद भी रेट नहीं घटा रही हैं। पेट्रोलियम कंपनियों का यह खेल कई महीनो चल रहा है। पिछले 3 साल से पेट्रोलियम कंपनियों और सरकार ने चुप्पी साध रखी है। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल के दाम बढ़ते थे। तब तेल कंपनियां रोजाना पेट्रोल डीजल के रेट बढ़ा देती थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम पिछले 3 साल की तुलना में सबसे निचले स्तर पर हैं। 15 मार्च 2024 को लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए सरकार और तेल कंपनियों ने मिलकर पेट्रोल एवं डीजल के दाम 2 रूपये प्रति लीटर कम किए थे। उसके बाद से पेट्रोलियम कंपनियों ने डीजल और पेट्रोल के रेट नहीं घटाए हैं। भारत सरकार की नीतियों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में कमी और वृद्धि होने पर तेल की कीमत घटाने और बढ़ाने की नीति है। इसके बाद भी पेट्रोलियम कंपनियां, भारतीय उपभोक्ताओं से खुले आम पेट्रोल डीजल में मुनाफाखोरी और दिनदहाड़े लूट रही हैं। भारत सरकार भी आंख बंद करके बैठी हुई है। भारतीय उपभोक्ता भी इस लूट पर चुपचाप मूकदर्शक बनकर लुट रहा है। इस तरह की लूट शायद भारत में ही संभव है। अन्य देशों में जनता सड़कों पर उतरकर आ जाती है। अभी जम्मू कश्मीर और हरियाणा में चुनाव होने वाले हैं। इसके बाद महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव होने हैं। इस साल के अंत तक या अगले साल के प्रारंभ में दिल्ली विधानसभा के चुनाव होने हैं। पिछले 3 सालों से पेट्रोलियम कंपनियों की लगातार लूट चल रही है। अरबो रुपए पेट्रोलियम कंपनियां हर माह भारतीय उपभोक्ताओं के साथ मुनाफाखोरी करके कमा रही हैं। पेट्रोल और डीजल की इस लूट के कारण भारत में महंगाई निरंतर बढ़ रही है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार इंडियन बास्केट में कच्चे तेल के दाम में 20.61 फ़ीसदी की गिरावट आई है। इसके हिसाब से पेट्रोल और डीजल के रेट में 22 से 25 रूपये प्रति लीटर की कमी होनी चाहिए थी। पिछले ढाई साल में पेट्रोलियम कंपनियों ने केवल दो बार ही पेट्रोल डीजल के दाम घटाए हैं। पेट्रोलियम कंपनियों को रिफाइनरी में भी बड़ा फायदा हो रहा है। भारत में लगभग 27 करोड़ टू व्हीलर चलाने वाले उपभोक्ता है। यह गरीब और मध्यम परिवार के उपभोक्ता हैं। दो पहिया वाहन चालक 12000 से 20000 रूपये प्रतिमाह कमाते हैं। इन्हें अपनी नौकरी और मजदूरी के लिए जाने मे वाहन का इस्तेमाल करना पड़ता है। हल्के और भारी वाहनों को जोड़ लिया जाए, तो करीब 33.50 करोड़ उपभोक्ता नियमित रूप से पेट्रोल और डीजल खरीदतें हैं। पेट्रोल और डीजल के दाम कम होंगे, तो मालभाड़ा भी कम होगा। उपभोक्ता वस्तुओं के दाम घटेंगे। इस तरह की मुनाफाखोरी और लूट पर सरकार की चुप्पी सभी को हैरान कर रही है। अप्रैल 2024 में कच्चे तेल के दाम 89.44 डॉलर प्रति बैरलअंतरराष्ट्रीय बाजार में थे। सितंबर माह में यह घटकर 71 डॉलर प्रति बैरल पर आ गए हैं। सरकार सब कुछ देख और जान रही है। इसके बाद भी सरकार ने चुप्पी साध रखी है। जनता जानना चाहती है, पेट्रोलियम कंपनियों और सरकार के बीच किस तरह का रिश्ता है। विपक्ष ने पेट्रोलियम कंपनियों की मुनाफाखोरी और लूट पर मौन साध रखा है। रोजाना 33 करोड़ उपभोक्ताओं के साथ खुलेआम लूट हो रही है। पिछले तीन सालों मे सरकार की मिली भगत से पेट्रोलियम कंपनियों ने अरबों-खरबों रुपए की लूट खुलेआम की है। सरकार, पेट्रोलियम कंपनियों पर क्यों मेहरबान है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर आम जनता में गुस्सा है। लोकसभा चुनाव में मतदाताओं के बीच महंगाई प्रमुख मुद्दा था। सरकार ने इस पर ध्यान नहीं दिया। जिसके कारण भाजपा को 240 सीटों पर आकर रुक जाना पड़ा। अगले 6 महीने में कई राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं। आम जनता के बीच में महंगाई अभी भी सबसे बड़ा मुद्दा है। इसके बाद भी सरकार की चुप्पी सभी को आश्चर्य में डाल रही है। सरकार यह मानकर चलती है। यदि जनता को कोई तकलीफ है। तो वह सड़कों पर आकर विरोध दर्ज करायेगी है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों और मुनाफाखोरी को लेकर कोई विरोध नहीं हो रहा है। इसलिए सरकार इसे कोई मुद्दा नहीं मानती है। जनता को लूट और मुनाफाखोरी से बचना है। ऐसी स्थिति में उसे अपना विरोध दर्ज कराने के लिए आगे आना ही होगा।

बोइंग के कर्मचारियों ने हड़ताल पर जाने के पक्ष में किया मतदान

सिएटल । एयरलाइन बोइंग के कर्मचारियों (मशीनिस्ट) ने हड़ताल पर जाने के पक्ष में मतदान किया। इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ मशीनिस्ट्स एंड एयरोस्पेस वर्कर्स ने कहा कि उसके सदस्यों ने एक अनुबंध को अस्वीकार कर दिया, जिसके तहत चार वर्षों में वेतन में 25 प्रतिशत की वृद्धि की जानी थी। अनुबंध को अस्वीकार करने के पक्ष में 94.6 प्रतिशत वोट पड़े और हड़ताल करने के पक्ष में 96 प्रतिशत वोट पड़े। हड़ताल करने के लिए 33,000 कर्मचारियों में से दो-तिहाई वोट की आवश्यकता थी। जब तक हड़ताल जारी रहेगी, तब तक बोइंग को इस समय उसके लिए बहुत जरूरी नकदी नहीं मिल पाएगी, जो उसे एयरलाइनों को नए विमान देने से मिलती है। यह नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) केली ऑर्टबर्ग के लिए एक और चुनौती होगी, जिन्हें छह सप्ताह पहले एक ऐसी कंपनी को फिर से खड़ा करने का काम दिया गया था, जिसने पिछले छह सालों में 25 अरब डॉलर से ज़्यादा का नुकसान उठाया है और यूरोपीय प्रतिद्वंद्वी एयरबस से पीछे रह गई है।ऑर्टबर्ग ने मशीनिस्टों को चेतावनी दी कि हड़ताल के कारण बोइंग का सुधार खतरे में पड़ जाएगी और एयरलाइन ग्राहकों की नज़र में कंपनी के बारे में और संदेह पैदा होगा। कर्मचारी सुनने के पक्ष में नहीं हैं।

सीबीआईसी ने बेंगलुरु के सीजीएसटी अधिकारियों को किया निलंबित

नई दिल्ली । केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने बेंगलुरु में कुछ सीजीएसटी अधिकारियों को निलंबित कर दिया है, जिन्हें पुलिस ने जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया था। सीबीआईसी ने शुक्रवार को बताया कि बेंगलुरू ईस्ट क्षेत्र के बयप्पनहल्ली पुलिस थाने में एक व्यापारी द्वारा दर्ज अपहरण और जबरन वसूली की शिकायत के आधार पर बेंगलुरु नगर अपराध शाखा ने 11 सितंबर को केंद्रीय माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) के चार अधिकारियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों में जीएसटी के निरीक्षक और वरिष्ठ खुफिया अधिकारी रैंक के कर्मचारियों के अलावा एक अधीक्षक रैंक का अधिकारी भी शामिल है। सीबीआईसी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में कहा कि मीडिया रिपोर्टों के अनुसार बताया गया है कि बेंगलुरु में कुछ सीजीएसटी अधिकारियों ने कथित जबरन वसूली का सहारा लिया है। इसमें शामिल अधिकारियों को तुरंत निलंबित कर दिया गया है। सीबीआईसी ने कहा कि वह उन पुलिस अधिकारियों के संपर्क में है, जिन्होंने इन गिरफ्तार अधिकारियों को रिमांड पर लिया था। उसने कहा कि मामले में जांच के नतीजों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग और उसके अ धिका रियों के बैंक खाते होंगे कुर्क

- 25 करोड़ बकाया नहीं चुकाया, सेबी ने की कार्रवाई

नई दिल्ली । शेयर बाजार नियामक सेबी ने एक स्टॉक ब्रोकिंग फर्म के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। सेबी ने करीब 25 करोड़ रुपये की बकाया वसूली के लिए कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग और उसके चेयरमैन व मैनेजिंग डायरेक्टर सी पार्थसारथी के बैंक खातों के साथ शेयरों एवं म्यूचुअल फंड संपत्तियों को कुर्क करने का आदेश दिया है। इंडियन सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने सात अगस्त को कार्वी और पार्थसारथी को एक नोटिस भेजकर उन्हें पावर ऑफ अटॉर्नी (पीओए) का दुरुपयोग कर ग्राहकों के फंड के दुरुपयोग करने से संबंधित मामले में 15 दिन के भीतर बकाया राशि का भुगतान करने को कहा था। सेबी की तरफ से लगाए गए जुर्माने का भुगतान करने में नाकाम रहने पर बाजार नियामक ने कुर्की का नोटिस भेजा है। सेबी ने अप्रैल, 2023 में कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग और पार्थसारथी को प्रतिभूति बाजार से सात साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया था। इसके अलावा पावर ऑफ अटॉर्नी का दुरुपयोग कर ग्राहकों के धन की हेराफेरी करने के लिए उन पर 21 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया था। नियामक ने कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड (केएसबीएल) पर 13 करोड़ रुपये और प्रवर्तक चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक पार्थसारथी पर आठ करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। सेबी ने चार अलग-अलग कुर्की नोटिस में लंबित बकाया राशि की वसूली के लिए दोनों इकाइयों के बैंक खाते, डीमैट खातों और म्यूचुअल फंड संपत्ति को कुर्क करने का आदेश दिया है। नोटिस के अनुसार, केएसबीएल और पार्थसारथी पर क्रमशः 15.34 करोड़ रुपये और 9.44 करोड़ रुपये का बकाया था, जिसमें ब्याज और वसूली लागत शामिल है।

देश की मजबूत बुनियाद बताता है आर्थिक वृद्धि परिदृश्यः शक्तिकान्त दास

सिंगापुर ।

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने ब्रेटन वुड्स कमेटी सिंगापुर द्वारा आयोजित फ्यूचर ऑफ फाइनेंस फोरम 2024 में शुक्रवार को कहा कि भारत का वृद्धि परिदृश्य देश के वृहद आर्थिक बुनियाद की मजबूती को बताता है। उन्होंने कहा कि इसमें निजी उपभोग और निवेश जैसे घरेलू तत्व प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। देश की आर्थिक वृद्धि को वृहत आर्थिक और वित्तीय स्थिरता के माहौल का समर्थन है। भारतीय अर्थव्यवस्था कोविड-19 महामारी के कारण आए गंभीर संकट से उबर गई और इसकी 2021-24 के दौरान औसत वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर आठ प्रतिशत से अधिक रही। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने वास्तविक जीडीपी यानी आधार मूल्य पर वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि दृष्टिकोण भारत के वृहद आर्थिक बुनियाद की ताकत को दिखाता है। इसमें घरेलू तत्व निजी खपत और निवेश प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। दास ने मुद्रास्फीति के बारे में कहा कि यह अप्रैल, 2022 के 7.8 प्रतिशत के उच्च स्तर से घटकर दो से छह प्रतिशत के संतोषजनक दायरे में आ गई है, लेकिन हमें अभी भी एक दूरी तय करनी है और हम दूसरी तरफ देखने का जोखिम नहीं उठा सकते हैं। रिजर्व बैंक के अनुमानों से संकेत मिलता है कि मुद्रास्फीति घटकर 2024-25 में 4.5 प्रतिशत और 2025-26 में 4.1 प्रतिशत हो सकती है। यह 2023-24 में 5.4 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआइ) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति लगातार दूसरे महीने अगस्त में रिजर्व बैंक के चार प्रतिशत के औसत लक्ष्य से नीचे 3.65 प्रतिशत पर रही। जुलाई में यह पांच साल के निचले स्तर 3.6 प्रतिशत पर थी। राजकोषीय मजबूती जारी है और मध्यम अवधि में सार्वजनिक ऋण का स्तर घट रहा है।

315 वर्क एवेन्यू ने पुणे में 56,000 वर्गफुट कार्यालय स्थल पट्टे पर लिया

नई दिल्ली । बढ़ती मांग को लेकर सह-कार्य स्थल प्रदाता कंपनी 315वर्क एवेन्यू ने अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए पुणे में 56,000 वर्ग फुट कार्यालय स्थान पट्टे पर लिया है। बेंगलुरु स्थित 315वर्क एवेन्यू के पास वर्तमान में बेंगलुरु, चेन्नई, मुंबई और पुणे में कई प्रमुख स्थानों पर लगभग 25 लाख वर्गफुट जगह है, जिसमें लगभग 50,000 सीटें हैं। कंपनी दिल्ली-एनसीआर और हैदराबाद में भी अपना विस्तार करने और मौजूदा बाजारों में अपनी उपस्थिति मजबूत करने की योजना बना रही है। पुणे में 315वर्क एवेन्यू के छह केंद्र हैं जो लगभग छह लाख वर्ग फीट में फैले हैं। इसमें एसेन्डास, पंचशील और रहेजा जैसे प्रमुख डेवलपर्स हैं, जिनकी कुल क्षमता लगभग 12,000 सीट है। 315वर्क एवेन्यू के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में पुणे के सह-कार्यस्थल बाजार में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जिसका कारण बढ़ती युवा आबादी, बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों की उपस्थिति और कई स्टार्टअप का प्रसार है।

यूपीआई लाइट जल्द शुरू करेगा टॉप-अप की सेवा

नई दिल्ली । यूपीआई लाइट जल्द ही ऑटो टॉप-अप की सुविधा शुरू करने जा रहा है। इससे यूजर्स को बार-बार अपने अकाउंट में बैलेंस ऐड करने के झंझट से छुटकारा मिल जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के एक सर्कुलर के मुताबिक 31 अक्टूबर से यूजर्स अपने यूपीआई लाइट अकाउंट में अपनी पसंद की राशि फिर से जमा करने के लिए ऑटो टॉप-अप ऑप्शन का उपयोग कर सकेंगे। एनपीसीआई के सर्कुलर के मुताबिक यूजर्स द्वारा चुनी गई राशि से यूपीआई लाइट बैलेंस स्वचालित रूप से पुनः लोड हो जाएगा। इसका उद्देश्य किसी भी समय यूजर्स को अपने यूपीआई लाइट वॉलेट में 2000 रुपये तक लोड करने और यूपीआई पिन के उपयोग के बिना वॉलेट से 500 रुपये तक का भुगतान करने की सुविधा प्रदान करना है। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि रीलोडिंग से यूपीआई लाइट बैलेंस की सीमा जो 2,000 रुपये है, कभी भी पार नहीं होगी। इसके अतिरिक्त यूजर्स किसी भी समय ऑटो टॉप-अप ऑप्शन को बंद करने में भी सक्षम होंगे। एनपीसीआई ने निर्देश दिया है कि जारीकर्ता बैंक यूपीआई लाइट पर ऑटो टॉप-अप की सुविधा का समर्थन करेंगे, जिसमें बैंक यूपीआई लाइट जनादेश बनाने और अनुरोध आने पर डेबिट की अनुमति देंगे। एनपीसीआई ने यह भी निर्देश दिया है कि यूजर्स को यूपीआई लाइट पर ऑटो टॉप-अप का उपयोग करने के लिए यूपीआई ऐप अपने प्लेटफार्म पर आवश्यक कार्यक्षमता और इंटरफ़ेस का समर्थन करेंगे।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को गिरावट रही। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 71.77 अंक करीब 0.09 फीसदी की गिरावट के साथ ही 82,890.94 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 32.40 अंक तकरीबन 0,13 फीसदी नीचे आकर 25,356.50 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 11 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक और टाटा स्टील सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, एसबीआई, एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया और टीसीएस के शेयर भी उछले। वहीं सेंसेक्स के 19 शेयर लाल गिरावट पर बंद हुए। अदाणी पोर्ट्स, आईटीसी, भारती एयरटेल, एनटीपसी और मारुति सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। इसके अलावा, एशियन पेंट्स, सन फार्मा, रिलायंस, एचयूए, कोटक बैंक, इंफोसिस, एलएंडटी, पावर ग्रिड, जेएसडब्लयू स्टील, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और टाइटन के शेयर नीचे आये।

एशियाई बाजारों में आज टोक्यो और शंघाई के बाजार में गिरावट रही जबकि सियोल और हांगकांग के बाजार उछले। यूरोपीय बाजारों की बात करें तो इसमें बढ़त रही। वहीं गत दिवस अमेरिकी बाजार बढ़त पर बंद हुए। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक स्थिर रहा, जबकि स्मॉल कैप कोसडैक मामूली रूप से नीचे रहा। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.43 फीसदी गिरा, जबकि व्यापक टॉपिक्स इंडेक्स में भी 0.58 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 सूचकांक सबसे अलग रहा और इसमें 0.75 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई, जिससे यह अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 8,148.7 के करीब पहुंच गया। हांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स फ्यूचर्स 17,294 पर थे, जो एचएसआई के अंतिम बंद स्तर 17,240 से अधिक थे। वहीं गत सत्र में बाजार रिकार्ड स्तर पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स और निफ्टी ने अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर के पास से गिरावट के साथ बाजार की शुरुआत की। यह गिरावट थोड़ी ज्यादा महंगाई दर और इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन इंडेक्स के उच्च आंकड़े की वजह से हुई। बीएसई सेंसेक्स 79.61 अंक की गिरावट के साथ 82,883.10 पर कारोबार कर रहा है, जबकि निफ्टी 31.55 अंक की गिरावट के साथ 25,357.35 के स्तर पर कारोबार कर कर रहा था।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक और कोटक लाइफ ने जीवन बीमा और वित्तीय सुरक्षा के उपायों तक पहुंच बढ़ाने के लिए की साझेदारी -

मुंबई/इन्दौर ।

भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (एयू एसएफबी) और भारत के अग्रणी निजी जीवन बीमा कंपनियों में एक, कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (कोटक लाइफ) ने एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है।

यह साझेदारी एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के ग्राहकों की जीवन बीमा और वित्तीय सुरक्षा के समाधानों तक पहुंच बढ़ाने के लिए की गई है। यह सहयोग एक संशोधित व्यावसायिक प्रस्ताव पर आधारित है, जो पूर्व में फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक (अब एयू एसएफबी के साथ विलय) के साथ कोटक लाइफ के संबंधों को जारी रखता है।

साझेदारी के बाद तत्काल प्रभाव से, एयू एसएफबी के नए और मौजूदा ग्राहक, जिनमें पहले के फिनकेयर एसएफबी ब्रांच के ग्राहक भी शामिल हैं, अब टर्म, रिटायरमेंट, सेविंग्स और चुनिंदा निवेश योजनाओं सहित कोटक लाइफ के लाइफ इंश्योरेंस प्रोडक्ट (जीवन बीमा उत्पाद) की व्यापक रेंज का लाभ उठा सकते हैं। इस साझेदारी से कोटक लाइफ के डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो का लाभ उठाकर दक्षिण भारत में एयू एसएफबी की पेशकश (ऑफरिंग) में बड़ी ग्रोथ होने की उम्मीद है। इसके अलावा, एयू एसएफबी के साथ मिलकरकोटक लाइफ बिना रुकावट सेवा के विकल्प सुनिश्चित करने, सुचारू रूप से ट्रांजिशन (परिवर्तन) की सुविधा प्रदान करने और ग्राहकों के लिए बिजनेस की निरंतरता बनाए रखने के लिए सहयोग करेगा। जैसा कि एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ अपने यूनिवर्सल बैंकिंग लाइसेंस का प्रयास कर रहा है, अब यह अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों के उत्पादों की डाइवर्सिफाइड रेंज के साथ एक करोड़ से अधिक के अपने बड़े कस्टमर बेस को सेवा देने के लिए प्रयासरत है। यह रणनीतिक साझेदारी एयू एसएफबी को हर ग्राहक की खास जरूरतों और वित्तीय आवश्यकताओं का आंकलन करने और उसका समाधान करने में सक्षम बनाती है। साथ ही यह हर ग्राहक की व्यक्तिगत परिस्थितियों के अनुरूप व्यक्तिगत समाधान प्रदान करने में भी सक्षम है।

इस साझेदारी पर, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और डिप्टी सीईओ, उत्तम टिबरेवाल ने कहा, ÷एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में, हमारे हर काम के केंद्र में हमारे ग्राहकहैं, और हम उन्हें एक बड़ी रेंज की पेशकश करने और पर्सनलाइज़ेड सोलुशन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नजारा मूनशाइन टेक्नोलॉजी में करेगी 982 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । ईस्पोर्ट्स कंपनी नजारा टेक्नोलॉजीज रियल मनी गेमिंग मंच पोकरबाजी की मूल कंपनी मूनशाइन टेक्नोलॉजी में 982 करोड़ रुपये का निवेश करने पर विचार कर रही है। नजारा ने शुक्रवार को बयान में कहा कि वह सौदे के तहत मूनशाइन में 831.51 करोड़ रुपये में 47.7 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी। इसमें 592.26 करोड़ रुपये का नकद लेनदेन और 239.25 करोड़ रुपये कीमत के शेयर अदला-बदली व्यवस्था शामिल हैं। इस व्यवस्था के साथ, बाजी गेम्स सहित चुनिंदा निवेशकों और प्रबंधन कर्मियों को नजारा टेक्नोलॉजीज में 3.17 प्रतिशत हिस्सेदारी मिलेगी। इसके अलावा नाज़ारा 100 प्रतिशत अनिवार्य परिवर्तनीय की सदस्यता के लिए 150 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जिसे समझौते के तहत भविष्य में इक्विटी में बदला जा सकता है।नजारा ने एक बयान में कहा कि वह मूनशाइन टेक्नोलॉजी में 982 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जो भारत के अग्रणी ऑनलाइन पोकर गेमिंग मंच पोकरबाजी की मालिक है। मूनशाइन के पास फैंटेसी गेमिंग मंच स्पोर्ट्सबाजी का भी स्वामित्व है, जो कंपनी की आय में लगभग 12 प्रतिशत का योगदान देता है, जबकि 85 प्रतिशत से अधिक पोकरबाजी से आता है।

अडानी के बाद अब रूस ने बांग्लादेश से मांगे 63 करोड़ डॉलर

- वर्तमान ब्याज के रूप में 630 मिलियन डॉलर का भुगतान की मांग

ढाका ।

भारतीय कारोबारी समूह अडानी ग्रुप के बाद अब रूस ने भी बांग्लादेश से रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के लिए कर्ज पर बकाया और वर्तमान ब्याज के रूप में 630 मिलियन डॉलर का भुगतान करने की मांग की है। रूसी अधिकारियों ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को भेजे पत्र में कहा है कि इस राशि को 15 सितंबर से पहले चुकाया जाए। यह पत्र बांग्लादेश द्वारा जून में रूसी बैंकों पर अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण बकाया ब्याज, प्रतिबद्धता शुल्क और विलंबित जुर्माने के निपटान के लिए वैकल्पिक लेनदेन विधियों के लिए किए गए अनुरोध के बाद आया है। 12.65 बिलियन डॉलर के ऋण पर अधिकतम ब्याज दर 4 फीसदी है, जिसमें बकाया भुगतान के लिए 2.4 फीसदी की अतिरिक्त दंडात्मक ब्याज दर है। 21 अगस्त को इकॉनमिक रिलेशन डिवीजन को लिखे गए पत्र में रूसी सरकार के एक प्रमुख वित्तीय संस्थान की प्रतिनिधि एजेंसी वीईबीडॉटआरएफ ने अनुरोध किया है कि बकाया भुगतान या तो अमेरिकी डॉलर या चीनी युआन में किया जाए और बैंक ऑफ चाइना की शंघाई शाखा में जमा किया जाए। हालांकि, चूंकि 15 सितंबर की भुगतान की अंतिम तिथि रविवार को है और 16 और 17 सितंबर चीन में गैर-व्यावसायिक दिन हैं, इसलिए भुगतान की सबसे प्रारंभिक संभावित तिथि 18 सितंबर होगी।

वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि इस समय सीमा को चूकने से अतिरिक्त दंड और अन्य जटिलताएं हो सकती हैं, जिसमें कर्ज चुकाने की अवधि के दो साल के विस्तार पर बातचीत में संभावित देरी शामिल है। वर्तमान में यह अविध इस साल दिसंबर में समाप्त होने वाली है, जिसे बांग्लादेश वर्तमान में आगे बढ़ा रहा है। इससे पहले, बांग्लादेश ने प्रस्ताव दिया था कि बकाया राशि एकत्र करने के बजाय, रूस नई परियोजनाओं, शेयर बाजार में धन का निवेश कर सकता है या बांग्लादेश से सामान खरीद सकता है। हालांकि, रूसी पत्र से संकेत मिलता है कि यह विकल्प संभव नहीं है।

असम से बिहार तक बढ़े पेट्रोल-डीजल के भाव

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल में लगातार गिरावट के बाद अब हल्की तेजी दिखाई दे रही है। वैश्विक बाजार में क्रूड 69.34 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 72.33 डॉलर प्रति बैरल बिक रहा है। कच्चे तेल के भावों का पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर असर दिखता है। हालांकि, भारत में ईंधन की कीमतों में ज्यादा असर नहीं पड़ा है लेकिन कुछ राज्यों में कीमतों में उतार-चढ़ाव हुआ है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने सुबह 6 बजे पेट्रोल-डीजल के दाम अपडेट कर दिए हैं। शुक्रवार को देश के 4 महानगरों में से सिर्फ चेन्नई में पेट्रोल और डीजल क्रमशः 0.23 और 0.22 पैसे महंगा हुआ है। वहीं राज्यों में असम, बिहार, छत्तीसगढ़ और दमन-द्वीप में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ गए हैं। उधर आंध्र प्रदेश और गोवा समेत कुछ राज्यों में ईंधन की कीमतें कम हुई हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल

103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.98 रुपये और डीजल 92.56 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है। गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 94.66 रुपये और डीजल 87.85 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

गाजियाबाद में पेट्रोल 94.53 रुपये और डीजल 87.70 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.65 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

नई ईवी योजना में घटी सब्सिडी, लेकिन फेम योजना के मुकाबले कम प्रावधान

- सब्सिडी 85 प्रतिशत से घट कर 30 प्रतिशत हो गई

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पेश नई योजना में सब्सिडी कम कर दी गई है। नई पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवॉल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना से इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग को राहत जरूर मिली है मगर फेम योजना के मुकाबले इसमें सब्सिडी का प्रावधान कम कर दिया गया है। विभिन्न इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए प्रोत्साहन राशि या सब्सिडी 85 प्रतिशत से घट कर 30 प्रतिशत रह गई है। इलेक्ट्रिक कार खंड नई योजना की जद से पूरी तरह बाहर कर दिया गया है। इस खंड में पहले 1.5 लाख रुपये तक की सब्सिडी दी जाती थी। केंद्र सरकार इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग को दी जाने वाली सब्सिडी धीरे-धीरे कम करना चाहती है। नई पीएम ई-ड्राइव उसी नीति का हिस्सा है। सरकार का मानना है कि इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग में अब पहले से अधिक गहराई आ गई है और लोगों के बीच इनका इस्तेमाल अब बढ़ रहा है। अधिकारियों ने कहा कि सब्सिडी में कमी जरूर एक बड़ा मुद्दा है मगर यह इलेक्ट्रिक वाहन प्रवर्द्धन योजना में दी जाने वाली सब्सिडी के लगभग बराबर ही है। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए अधिकतम सब्सिडी में लगभग 85 प्रतिशत कमी कर दी गई है। फेम-2 में 66,000 रुपये सब्सिडी मिलती थी मगर अब यह कम होकर 10,000 रुपये रह गई है। इलेक्ट्रिक तिपहिया (ई3डब्ल्यू) के लिए सब्सिडी घटाकर लगभग 55 प्रतिशत कर दी गई है। पहले इन वाहनों पर 1,11,505 रुपये सब्सिडी मिलती थी जिसे घटाकर अब 50,000 रुपये कर दिया गया है। इलेक्ट्रिक बसों के मामले में भी सब्सिडी सीमा 50 लाख रुपये से घटाकर 35 लाख रुपये कर दी गई है। योजना के दूसरे वर्ष में अधिकतम प्रोत्साहन में और कमी आएगी यानी इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए यह घटकर 5,000 रुपये और तिपहिया वाहनों के लिए 25,000 रुपये रह जाएगी। सब्सिडी के संबंध में इस नई घोषणा से पहले केंद्र सरकार पिछले तीन वर्षों से प्रोत्साहन में कमी करती आ रही है। पहले फेम-2 के अंतर्गत अधिकतम सब्सिडी 1 जून 2023 से 66,000 रुपये से घटाकर 22,500 रुपये कर दी गई थी। फेम-2 समाप्त होने के बाद सरकार ने ईएमपीएस की शुरुआत की जिसके तहत 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। इस योजना के आने से इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए सब्सिडी घटकर 10,000 रुपये और तिपहिया वाहनों के लिए 50,000 रुपये रह गई।

ऐपल ने लांच किया आईफोन 16, चाइनीज मोबाइल से मिलेगी टक्कर

नई दिल्ली ।

लंबे इंतजार के बाद ऐपल ने अपने आईफोन 16 को लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने अपने डेवलपर कॉन्फ्रेंस में किए वादे के मुताबिक नए आईफोन को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सपोर्ट के साथ पेश किया है। कहा जा रहा है कि आईफोन जैसे प्रीमियम रेंज के फोन में भी एआई फीचर आने के बाद ये मार्केट में मौजूद कई एआई फोन को कड़ी टक्कर दे सकता है। इससे ये हिंट तो मिलता है कि हुवावे, चीन में ऐपल के खिलाफ अपनी स्थिति को मजबूत कर रहा है, जहां यूज़र्स एआई फीचर्स के लिए उत्सुक हैं और उनके लिए पैसे खर्च करने के लिए भी तैयार हैं। क्रिएटिव स्ट्रैटेजीज़ के सीईओ और प्रमुख विश्लेषक बेन बजारिन ने कहा, चीनी बाजार अमेरिकी बाजार के मुकाबले एआई फीचर्स के लिए ज्यादा दीवाना है। ऐपल के लिए, उन्होंने भविष्यवाणी करते हुए ये भी कहा, 'इसे तुरंत चीन में लाना बहुत मुश्किल होगा, इसलिए वे हार्डवेयर की खूबियों से पीछे रह जाएंगे।' बता दें कि ऐपल के जून में हुए डेवलपर कॉन्फ्रेंस में, ऐपल ने एप्पल एआई की पेशकश की। ये जेनरेटिव एआई पर बेस्ड है जो कमांड पर टेक्स्ट, इमेज और दूसरे कंटेंट को जोड़ सकता है। ऐपल इंटेलिजेंस में कई भाषाओं का सपोर्ट मिलेगा। हालांकि शुरुआती तौर पर अमेरिकी इंग्लिश का सपोर्ट मिलेगा। ऐपल के इंटेलिजेंस फीचर्स को लेकर उम्मीद की जा रही है कि इसे अक्टूबर में आने वाले नए ऑपरेटिंग सिस्टम के साथ आईफोन और आईपेड में अपडेट के जरिए दिया जाएगा। इसके अलावा रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐपल के वॉयस असिस्टेंट सिरी का फुल अपग्रेड अगले साल की शुरुआत में होने की उम्मीद है। बता दें कि पिछले हफ्ते हुवावे ने दुनिया के पहले ट्रिपल फोल्डिंग फोन एमएटीई एक्सटी की कुछ फोटो शेयर कर इसका ऐलान किया था। हैरान करने वाली बात ये है कि आईफोन 16 के लॉन्च के ठीक पहले इस स्मार्टफोन के लिए 30 लाख से ज्यादा प्री-ऑर्डर मिले हैं। ये जानकारी कंपनी के ऑफिशियल वेबसाइट पर देखी गई। इस फोन को पहली बार सेल में 20 सितंबर को उपलब्ध कराया जाएगा।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए चेन्नई पहुंची भारतीय क्रिकेट टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली = बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेटर गुरुवार रात चेन्नई पहुंचे। पहला टेस्ट मैच 19 सितंबर को एमए चिदंबरम स्टेडियम में शुरू होने वाला है। यह सीरीज टी20 विश्व कप के बाद भारत की टेस्ट क्रिकेट में वापसी की पहली सीरीज होगी। प्रमुख खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत और केएल राहुल को टीम बस में चढ़ते देखा गया, जो टेस्ट प्रारूप में उनकी वापसी का संकेत है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद से बुमराह ने कोई टेस्ट नहीं खेला है। दिसंबर 2022 में एक गंभीर कार दुर्घटना के बाद पंत वापसी कर रहे हैं। चोट के कारण इंग्लैंड सीरीज से चूकने वाले राहुल भी टीम में शामिल हो गए हैं। रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम में विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं। कोहली अपने बेटे के जन्म के बाद ब्रेक लेकर घरेलू मैदान पर इंग्लैंड सीरीज से चूकने के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं।

बांग्लादेश ने हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ 2-0 से टेस्ट सीरीज जीती थी। हालांकि चोटों के कारण उन्होंने बदलाव किए हैं, जिसमें तेज गेंदबाज शोरफुल इस्लाम की जगह अनकैप्ड बल्लेबाज जैकर अली को शामिल किया गया है। भारत के नए मुख्य कोच गौतम गंभीर का लक्ष्य अपनी पहली टेस्ट सीरीज़ की शुरुआत जीत के साथ करना है। यह सीरीज भारत के न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले मैचों और ऑस्ट्रेलिया में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए मंच तैयार करती है। स्टार खिलाड़ियों की वापसी और उच्च दांव के साथ, भारत-बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के दिलचस्प होने की उम्मीद है।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुबमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, आर जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद। सिराज, आकाश दीप, जसप्रित बुमरा, यश दयाल।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर रचा इतिहास, 1 बिलियन फॉलोअर्स वाले पहले व्यक्ति बने

स्पोर्ट्स डेस्क। क्रिस्टियानो रोनाल्डो न केवल फुटबॉल के मैदान पर बल्कि डिजिटल वर्ल्ड में भी रिकॉर्ड तोड़ते जा रहे हैं। पुर्तगाले के इस खिलाड़ी ने सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 1 बिलियन फॉलोअर्स को पार करने वाले पहले व्यक्ति बन गए हैं। यह मील का पत्थर दुनिया भर में सबसे प्रभावशाली और सबसे ज़्यादा फॉलो किए जाने वाले एथलीट के रूप में जाने जाने वाले रोनाल्डो की वैश्विक आइकन के रूप में स्थिति को और भी मजबूत करता है।

रोनाल्डो के चौंका देने वाले सोशल मीडिया फॉलोइंग में इंस्टाग्राम पर 639 मिलियन से ज़्यादा फॉलोअर्स, फेसबुक पर 170 मिलियन, एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर 113 मिलियन और यूट्यूब पर 60.5 मिलियन सब्सक्राइबर शामिल हैं। उल्लेखनीय रूप से उनका यूट्यूब चैनल इस महीने की शुरुआत में ही लॉन्च किया गया था, फिर भी यह अपने पहले दिन 15 मिलियन सब्सक्राइबर और पहले सप्ताह में 50 मिलियन तक पहुंच गया। एक्स पर एक विशेष पोस्ट में रोनाल्डो ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि की घोषणा की और अपने प्रशंसकों के प्रति उनके अटूट समर्थन और विश्वास के लिए आभार व्यक्त किया। खेल जगत में उनके प्रशंसकों की संख्या एक महत्वपूर्ण घटना बन गई है, उनका प्रतिष्ठित ÷सिउ÷ उत्सव विभिन्न खेलों में एक निरंतर दृश्य बन गया है, जो केवल फुटबॉल तक ही सीमित नहीं है। रोनाल्डो की पोस्ट में लिखा है, 'हमने इतिहास रच दिया है - 1 बिलियन फॉलोअर्स! यह केवल एक संख्या से अधिक है - यह खेल और उससे परे हमारे साझा जुनून, प्रेरणा और प्यार का प्रमाण है...मदीरा की सड़कों से लेकर दुनिया के सबसे बड़े मंचों तक, मैंने हमेशा अपने परिवार और आपके लिए खेला है, और अब हम 1 बिलियन लोग एक साथ खड़े हैं।' रोनाल्डो ने आगे कहा, 'आप हर कदम पर मेरे साथ रहे हैं, सभी उतार-चढ़ावों के दौरान...मुझ पर विश्वास करने, आपके समर्थन के लिए और मेरे जीवन का हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद। सबसे अच्छा अभी आना बाकी है, और हम आगे बढ़ते रहेंगे, जीतते रहेंगे और साथ मिलकर इतिहास बनाते रहेंगे।'

भारतीय टीम को बांग्लादेश के मुशफिकुर से रहना होगा सावधान

-टीम में विकेटकीपर के तौर पर है धोनी जैसा दबदबा

मुम्बई (एजेंसी)। बांग्लादेश के साथ 19 सितंबर से होने वाली टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। भारतीय टीम को आज तक बांग्लादेश की टीम घरेलू मैदान पर नहीं हरा पायी है हालांकि इसके बाद भी उसे टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम सहित कुछ खिलाड़ियों से सावधान रहना होगा। मुशफिकुर का रिकार्ड काफी अच्छा है , इस खिलाड़ी ने

टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी से भी ज्यादा रन बनाए हैं। मुशफिकुर ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में 191 रन की शानदार पारी खेली थी। इससे उनकी टीम पाक के खिलाफ हावी हो गयी थी। बांग्लादेश ने एक एक समय 218 रन पर 5 विकेट खो दिये थे पर इसके बाद रहीम ने उसे 500 के ऊपर पहुंचाया। इससे टीम को 10 विकेट से जीत मिली।

मुशफिकुर ने 2019 तक टेस्ट मैचों में विकेटकीपिंग की। इसके बाद अब वह बल्लेबाज के तौर पर खेलते हैं। विकेटकीपर के तौर पर उन्हें अपनी टीम में वही स्थान हासिल था, जो भारतीय टीम में धोनी के पास था। मुशफिकुर ने उतने ही टेस्ट मैच हैं, जितने धोनी ने खेले हैं।

धोनी ने अपने 10 साल के टेस्ट करियर में 90 मैच खेले। उन्होंने इन मैचों की 144 पारियों में 38.09 की औसत से 4876 रन बनाए। वहीं मुशफिकुर रहीम ने अपने 18 साल के टेस्ट करियर में 90 टेस्ट मैच ही खेले हैं। उन्होंने इन मैचों की 166 पारियों में 39.01 की औसत से 5892 रन बनाए हैं।

वॉन के सचिन पर दिये बयान को लेकर भड़के गावस्कर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के महान बल्लेबाज रहे सुनील गावस्कर ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के इस बयान की कड़ी आलोचना की है। जिसमें वॉन ने कहा था कि जो रूट टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक रन के सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं, साथ ही कहा था कि यह टेस्ट क्रिकेट के लिए लाभप्रद रहेगा। इस पर गावस्कर ने कहा कि अगर यह रिकॉर्ड सचिन के नाम है, तो इसमें क्या दिक्कत है। साथ कहा कि अगर इंग्लैंड कको कोई क्रिकेटर इस रिकार्ड को तोड़ता है तो इससे टेस्ट क्रिकेट को कैसे फायदा होगा ये वॉन बतायें।

रूट ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए जमकर रन बनाये हैं। इस बल्लेबाज ने श्रीलंका के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जमाए और 34 शतक लगाकर गावस्कर की

बराबरी की। रूट अब टेस्ट क्रिकेट में 12,402 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में छठे स्थान पर आ गए हैं, और उन्होंने इस प्रकार श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा को पीछे छोड़ दिया है।

वॉन ने कहा कि रूट के पास सचिन के 15,921 रनों का रिकॉर्ड तोड़ने की क्षमता है और यह टेस्ट क्रिकेट के लिए एक सकारात्मक प्रयास रहेगा। इसी को लेकर गावस्कर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में ऐसा क्या गलत हो रहा है जिसे सुधारने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अगर यह रिकॉर्ड तेंदुलकर के नाम है, तो इसे बदलने की आवश्यकता क्यों है। साथ ही उन्होंने ब्रिटिश मीडिया पर भी निशाना साधते हुए कहा कि यह धारणा बनाई जा रही है कि बीसीसीआई टेस्ट क्रिकेट को पसंद नहीं करता, जबकि भारतीय टीम हर सत्र में अन्य देशों की तुलना में अधिक टेस्ट मैच खेलती है, चाहे वह घरेलू मैदान पर हो या विदेशी दौरों पर।

बेटे आजम के साथ गलत बर्ताव हुआ, उसके आत्मविश्वास को ठेस पहुंची है

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व टेस्ट कप्तान मोईन खान ने कहा है कि पिछले कुछ वर्षों में आजम खान के साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, उसके कारण उनके बेटे के आत्मविश्वास को ठेस पहुंची है। पाकिस्तान के इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपने बेटे के करियर को हुए नुकसान के लिए पूर्व पीसीबी अध्यक्ष रमीज राजा को जिम्मेदार ठहराया है। मोईन ने कहा कि अमेरिका में 2024 टी20 विश्व कप के दौरान पाकिस्तान द्वारा खेले गए सभी मैच देखने के बाद वह आत्मविश्वास से कह सकते हैं कि उनका बेटा विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त है।

मोईन ने कहा कि मैंने पूरा विश्व कप और उससे पहले के मैच देखे और ऐसा लग रहा था कि आजम

विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी के लिए पहली पसंद था। फिर अचानक सिर्फ 1 मैच के बाद पूरी रणनीति बदल दी गई। आजम को फिटनेस को लेकर प्रशंसकों का गुस्सा झेलना पड़ा है। विश्व कप में अमेरिका के खिलाफ टीम की शुरुआती मैच में वह पहली गेंद पर खाता खोले बगैर आउट हो गए थे। इसके बाद उन्हें भारत के खिलाफ मैच से बाहर कर दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 6000 से अधिक रन बनाने वाले मोईन ने कहा कि आजम को एक मैच के बाद विकेटकीपिंग का मौका नहीं दिया गया और पहली ही गेंद पर (अमेरिका के खिलाफ) आउट होने के बाद उन्हें बाहर कर दिया गया। कोई भी खिलाड़ी पहली गेंद पर आउट हो सकता है, लेकिन यहां खिलाड़ियों को विकसित करने की जो परंपरा हुआ करती थी, वह अब नहीं रही। चाहे कप्तान हो या प्रबंधन, अगर वे खिलाड़ियों में इतनी जल्दी बदलाव करते रहेंगे तो हम अच्छे खिलाड़ी कैसे तैयार कर सकते हैं?

भारत दौरे से पहले शाकिब की काउंटी में घातक गेंदबाजी

लंदन। भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से ठीक पहले बांग्लादेश की क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट में शानदार खेल दिखाया है। शाकिब ने सरे की ओर से काउंटी चैंपियनशिप खेलते हुए सोमरसेट के खिलाफ पहली पारी में 4 विकेट लिए जबकि दूसरी पारी में 5 विकेट लिए हैं। इससे शाकिब ने दिखाया है कि उन्हें खेलना भारतीय टीम के लिए आसान नहीं रहेगा। इससे पहले शाकिब ने पाक दौरे में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में भारतीय टीम के बल्लेबाजों को उनसे सावधान रहना होगा। बांग्लादेश टीम को उम्मीद है कि भारत के खिलाफ भी वह इसी फॉर्म को बनाये रखेंगे। हालांकि भारत के खिलाफ जीत हासिल करना बांग्लादेश टीम के लिए आसान नहीं होगा क्योंकि भारतीय टीम अभी विश्व में शीर्ष टीमों में शामिल है। इसके बाद भी शाकिब ओरे से कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे।

पोंटिंग ने ऋषभ की प्रशंसा करते हुए उसे एक महान खिलाड़ी बताया

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को मैच विजेता खिलाड़ी करार दिया है। पोंटिंग ने ऋषभ की प्रशंसा करते हुए कहा कि इतने कम समय में ही इस खिलाड़ी ने जो उपलब्धियां हासिल की हैं उससे उसकी आपार क्षमताओं का पता चलता है। इस खिलाड़ी ने जिस प्रकार हार न मानते हुए भीषण कार हादसे के बाद भी शानदार वापसी की है उससे पता चलता है कि वह एक महान खिलाड़ी है। सबसे बड़ी विशेषता ये है कि वह तीनो ही प्रारुपों में एक समान रुप से बेहतरीन बल्लेबाजी करता है। साथ ही कहा कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भी उसपर सभी की नजरें रहेंगी। पिछली बार भारत ने ऑस्ट्रेलिया में जो टेस्ट सीरीज 2-1 से जीती थी, जिसमें इस बल्लेबाज ने अहम भूमिका निभाई थी। पोंटिंग ने इस क्रिकेटर की क्षमताओं की सराहना करते हुए कहा, वह किसी भी अन्य खिलाड़ी की तरह ही एक गंभीर क्रिकेटर हैं। हमने उन्हें खेलते हुए देखा है और स्टंप माइक पर उनकी आवाज सुनी है। वह एक मजेदार और टीम के साथ घुल-मिलकर रहने वाला खिलाड़ी है पर वह सिर्फ मनोरंजन के लिए नहीं खेलता, वह एक सच्चा विजेता है। पोंटिंग ने इस विकेटकीपर की तुलना पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी से करते हुए कहा, इस क्रिकेटर ने अब तक 33 टेस्ट मैच खेले हैं और 5 शतक लगाये हैं। वहीं धोनी ने 90 टेस्ट मैच खेले और 6 शतक लगाए। इस प्रकार देखा जाये तो इस युवा ने इतने कम मैचों में जो हासिल किया है, वह प्रशंसा के योग्या है। वह एक गंभीर क्रिकेटर हैं और उनके प्रदर्शन से यह साफ दिखता है। पोंटिंग ने कहा कि वह कार हादसे के बाद से ही ऋषभ के लगातार संपर्क में थे। पोंटिंग उस समय दिल्ली कैपिटल्स के कोच थे। उन्होंने कहा, यह एक ऐसी वापसी है जो हैरान करती है। मैंने जब उनकी हालत देखी, तो मुझे लगा कि वह आईपीएल 2024 में नहीं खेल पाएंगे पर इस क्रिकेटर ने मुझसे कहा, 'मेरे बारे में चिंता मत करो, मैं आईपीएल के लिए ठीक हो जाऊंगा।'

भारत ने एकल के लिए फिर से जताया बालाजी पर भरोसा, स्वीडन के खिलाफ खेलेंगे शुरुआती मैच

स्टाकहोम (एजेंसी)। भारतीय डेविस कप टीम ने लगातार दूसरी बार एकल मुकाबले की जिम्मेदारी निभाने के लिए युगल विशेषज्ञ एन श्रीराम बालाजी पर भरोसा जताया है जो स्वीडन के खिलाफ विश्व ग्रुप एक के मैच में कप्तान रोहित राजपाल की अगुवाई वाली टीम का शुरुआती मैच खेलेंगे। भारतीय कप्तान ने टीम में दूसरे एकल खिलाड़ी के तौर पर रामकुमार रामनाथन को चुना है। इस साल की शुरुआत में पाकिस्तान में 'ग्रास कोर्ट' पर एकल में प्रतिस्पर्धा करने वाले बालाजी शनिवार को स्वीडन के शीर्ष खिलाड़ी एलियास यमेर (विश्व रैंकिंग 238) के खिलाफ मैच के साथ इस इनडोर मुकाबले की शुरुआत करेंगे।

इस टीम में भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी रामकुमार (विश्व रैंकिंग 332) दूसरे एकल में स्वीडन के दिग्गज ब्योर्न बोर्ग के बेटे लियो बोर्ग (विश्व रैंकिंग 603) से भिड़ेंगे। इन दोनों खिलाड़ियों का इससे पहले एटीपी टूर पर

आमना-सामना नहीं हुआ है। रामकुमार और बालाजी रविवार को फिलिप बर्गेवी और आंद्रे गोरानसन के खिलाफ युगल और रिवर्स एकल भी खेलेंगे। शुरुआती दिन अगर स्कोर 1-1 की बराबरी पर रहा तो तो युगल जोड़ी में बदलाव हो सकता है। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने पीठ की समस्या के कारण मुकाबले के लिए खुद को अनुपलब्ध बताया, जबकि अगले सर्वश्रेष्ठ विकल्प शशिकुमार मुकुंद के चयन पर विचार नहीं किया गया।

कप्तान राजपाल ने कहा कि अन्य एकल विकल्प निकी पुनाचा फिट हैं लेकिन टीम प्रबंधन रणनीति के तहत बालाजी को उतारना चाहता है। बालाजी और रामकुमार दोनों ने तेज तर्रार सर्विस करने के बाद नेट का बेहतर इस्तेमाल करने के लिए जाने जाते हैं और भारतीय कप्तान शनिवार को उनसे इसी तरह की योजना चाहते हैं।

राजपाल ने मैचों के ड्रा के बाद पीटीआई से कहा, '' निकी (पुनाचा) फिट है, फिजियो ने काफी मेहनत की है लेकिन हम उनकी योजना (स्वीडन) की तहत नहीं खेलना चाहते है। वे सर्विस लाइन के पास से खेलना पसंद करते है। हमारी अपनी रणनीति है, हमारे ये दोनों खिलाड़ी नेट के करीब जाकर खेलना पसंद करते हैं। हम चाहते हैं कि दबाव दूसरी टीम पर हो।'' राजपाल ने कहा कि पुनाचा भी इस रणनीति का पालन करने में सक्षम हैं लेकिन उनके पास इस खिलाड़ी लिए कुछ अन्य योजनाएं हैं। उन्होंने बताया, '' मैं कुछ योजनाओं का खुलासा नहीं करना चाहता हूं।'' इस बात की संभावना है कि पूनाचा को रविवार को युगल खेलने के लिए कहा जाएगा।

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप जीत सकती है न्यूजीलैंड : मैकमिलन

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के सहायक कोच क्रेग मैकमिलन का मानना है कि अगले माह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में उनकी टीम जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। मैकमिलन के अनुसार उनकी टीम में युवा और अनुभवी दोनो तरह की खिलाड़ी शामिल हैं। न्यूजीलैंड ने टी20 विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम में अनुभवी सूजी बेट्स और सोफी डिवाइन जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। ये जोड़ी शीर्ष क्रम में बड़े स्कोर बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। कोच के अनुसार यह कीवी टीम की संभावनाओं के लिए महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि यह जोड़ी टूर्नामेंट की शुरुआत से ही टूर्नामेंट के हर संस्करण में शामिल रही है। यह जोड़ी दो बार न्यूजीलैंड (2009,2010) के साथ प्रतियोगिता में उपविजेता रही और अन्य दो अवसरों पर सेमीफाइनल तक पहुंची। ऐसे में ये एक बार फिर ट्रॉफी जीतना चाहेंगी। मैकमिलन ने कहा, 'जब वे (डिवाइन और बेट्स) रिटायर हो जाएंगे, तो वे न्यूजीलैंड के लिए खेलने वाले दो सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बन जाएंगे। दोनो के लिये यह विश्वकप की ट्रॉफी उठाने का बेहतरीन अवसर है। मैकमिलन ने कहा, 'मुझे हमारे पास मौजूद अनुभवी खिलाड़ियों से सीखने वाले युवाओं के साथ संतुलन बनान अच्छा लगता है। हमें जो चाहिए वह है कि हर कोई अपनी क्षमता के अनुसार अपना काम करे और अगर ऐसा होता है, तो आप कभी नहीं जान सकते कि विश्व कप के समय क्या हो सकता है। उन्होने कहा, मुझे लगता है कि हमने सीखा है कि दुनिया की शीर्ष टीमों के साथ लगातार प्रतिस्पर्धा करने के लिए किस प्रकार से खेलना होता है। साथ ही कहा कि टीम आजकल विश्वकप के लिए अभ्यास में लगी है।

इन तीन भारतीय खिलाड़ियों से ऑस्ट्रेलिया को रहना होगा सावधान : लियोन

मुंबई। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन ने कहा है कि इस साल के अंत में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में उनकी टीम को तीन भारतीय खिलाड़ियों विराट कोहली, रोहित शर्मा और ऋषभ पंत से सतर्क रहना होगा। लियोन के अनुसार 22 नवंबर से होने वाली ये सीरी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) में शामिल होने के कारण और अहम हो जाती है। लियोन ने कहा, रोहित शर्मा, विराट कोहली और ऋषभ पंत आगामी टेस्ट सीरीज में हमारे खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेंगे। साथ ही कहा कि इन तीनों के अलावा युवा खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, और अनुभीव रविंद्र जडेजा भी हमारे लिए मुश्किलें पैदा कर सकते हैं। मेजबान टीम के इस स्पिनर ने कहा कि भारतीय टीम की बल्लेबाजी काफी अच्छी है और ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों के लिए उन्हें आउट करना आसान नहीं रहेगा। उन्होंने कहा, अगर हम एक गेंदबाजी इकाई के रूप में लंबे समय तक अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो हम भारतीय टीम को बेहतर तरीके से चुनौती दे सकते हैं। भारतीय टीम ने पिछली चार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीती हैं। इसमें भी दो बार भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में जीतने में सफल रही है। 2014 के बाद से ही ऑस्ट्रेलियाई टीम को इस सीरीज में लगातार हार का सामना करना पड़ा है।

इंग्लैंड टीम में शामिल ऑलराउंडर ब्रायडन के पिता ने खेला था जिम्बाब्वे से

लंदन। पाकिस्तान दौरे पर होने वाली तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम में शामिल ऑलराउंडर ब्रायडन कार्स एक ऐसे खिलाड़ी हैं जिनके पिता ने जिम्बाब्वे की ओर से खेला था। वहीं अब ब्रायडन इंग्लैंड की ओर से खेलेंगे। विश्व क्रिकेट में ऐसे कई मामले सामने आये हैं जब पिता ने किसी एक टीम से खेला है और बेटा किसी दूसरी टीम से खेलने लगे। ब्रायडन का मामला भी कुछ ऐसा ही है। इस खिलाड़ी का जन्म दक्षिण अफ्रीका के ईस्टर्न केप में हुआ था पर वह इंग्लैंड की ओर से टेस्ट डेब्यू करने जा रहा है। इंग्लैंड ने अपने 17 सदस्यीय टेस्ट दल में कार्स को जगह दी है। कार्स दाएं हाथ के तेज गेंदबाज और बल्लेबाज हैं। इस क्रिकेटर ने इंग्लैंड की ओर से एकदिवसीय और टी20 अंतराष्ट्रीय में में पहले ही डेब्यू कर लिया था। ब्रायडन के पिता जेम्स कार्स का जन्म जिम्बाब्वे में हुआ था। जेम्स कार्स अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिम्बाब्वे की ओर से नहीं खेल पाये पर फर्स्ट क्लास क्रिकेट में जिम्बाब्वे की ओर से खेलते रहे। जेम्स ने काउंटी क्रिकेट में इंग्लैंड के नॉर्थम्प्टन शॉयर की ओर से खेला था। साल 2019 में जेम्स ने इंग्लैंड की नागरिकता प्राप्त की थी। इंग्लैंड की टीम अगले कुछ दिनों में पाकिस्तान दौरे पर जाएगी। इस सीरीज का पहला टेस्ट मैच 7 अक्टूबर से मुल्तान में खेला जाएगा जबकि दूसरा और तीसरा टेस्ट मैच क्रमशः 15 और 24 अक्टूबर से कराची और रावपिंडी में होगा। कार्स ने जुलाई 2021 में पाकिस्तान के खिलाफ ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में डेब्यू किया था। उन्होंने 14 वनडे मैचों में 15 विकेट लिए हैं जबकि 3 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनके नाम 4 विकेट दर्ज हैं। इसके अलावा एकदिवसीय में उनके नाम 155 रन हैं।

डायमंड लीग फाइनल में भाग लेंगे नीरज चोपड़ा और अविनाश साबले, कड़ा होगा मुकाबला

ब्रुसेल्स (बेल्जियम) (एजेंसी)। ब्रुसेल्स डायमंड लीग फाइनल 2024 में भारत के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा और स्टीपलचेजर अविनाश साबले भाग लेंगे। ये स्पर्धाएं शुक्रवार से बेल्जियम में शुरू होंगी। ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार अविनाश साबले 3000 मीटर स्टीपलचेज में भाग लेंगे जिसका समय 14 सितंबर को भारतीय समयानुसार दोपहर 12:39 बजे निर्धारित है। इस बीच नीरज चोपड़ा भाला फेंक स्पर्धा में भाग लेंगे, जो 15 सितंबर को भारतीय समयानुसार दोपहर 1:52 बजे शुरू होगी।

यह पहली बार है जब दो भारतीय एथलीट डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई हुए हैं। नीरज चोपड़ा का डायमंड लीग में सफल इतिहास रहा है, उन्होंने 2022 में फाइनल जीता और 2023 में दूसरा स्थान हासिल किया। 2024 सीजन में, चोपड़ा ने दो मीट में 14 अंक अर्जित किए और समग्र स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर रहे। मई में दोहा लेग और पिछले महीने लॉजेन इवेंट दोनों में उन्होंने दूसरा स्थान हासिल किया।

ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 29 अंकों के साथ भाला फेंक स्टैंडिंग में शीर्ष पर रहे, उसके बाद जर्मनी के जूलियन वेबर 21 अंकों के साथ दूसरे और चेकिया के गत चैंपियन जैकब वडलेज 16 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। पेरिस 2024 ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता पाकिस्तान के अरशद नदीम ने इस साल डायमंड लीग में केवल एक बार प्रतिस्पर्धा की और ब्रुसेल्स फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाए।

अविनाश साबले 3000 मीटर स्टीपलचेज के लिए डायमंड लीग स्टैंडिंग में दो मीटिंग में तीन अंकों के साथ 14वें स्थान पर रहे। इसके बावजूद चार उच्च रैंक वाले एथलीटों के टूर्नामेंट से बाहर होने के कारण उन्होंने शीर्ष 12 में स्थान हासिल किया। जुलाई में डायमंड लीग के पेरिस चरण में सेबल ने 8:09.91 का राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय बनाया, जहां वे छठे स्थान पर रहे और अगस्त में सिलेसिया चरण में वे 14वें स्थान पर रहे। ब्रुसेल्स में होने वाली प्रतियोगिता प्रतिस्पर्धी होगी जिसमें दो बार के ओलंपिक चैम्पियन मोरक्को के सौफियाने बक्काली और केन्या के पेरिस 2024 में कांस्य पदक विजेता अब्राहम किबिवोट 3000 मीटर स्टीपलचेज में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इन आंकड़ों को प्रस्तुत करने से तात्पर्य है कि खाद्यान्न में यह वृद्धि से अधिक रही है जो कि संतोषजनक स्थिति है और अभी तो भोजन पेट भर मिल रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या 2025 में हमें पेट भर भोजन प्राप्त होगा? अगर नहीं तो हम आगे क्या करेंगे?

टिकाऊ खेती आज की आवश्यकता

जनसंख्या एवं खाद्यान्न उत्पादन

भारत की जनसंख्या 2001 की जनगणना के अनुसार 102.7 करोड़ को छू चुकी है जो 1991-2000 तक 1.9 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि में रही, जबकि खाद्यान्न उत्पादन 2003-04 में 213.5 मिलियन टन तक पहुंचा अर्थात् 2.1 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर से.

इन आंकड़ों को प्रस्तुत करने से तात्पर्य है कि खाद्यान्न में यह वृद्धि से अधिक रही है जो कि संतोषजनक स्थिति है और अभी तो भोजन पेट भर मिल रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या 2025 में हमें पेट भर भोजन प्राप्त होगा? अगर नहीं तो हम आगे क्या करेंगे?

हमें आगे भी 21वीं सदी के बाद से खाद्यान्न में लगभग 25-30 प्रतिशत की वृद्धि कायम रखनी होगी अन्यथा पूरा देश हमारा सूखा घोषित हो जायेगा जिससे की लगभग 14 प्रतिशत उत्पादन में गिरावट होगी जो भविष्य के लिए प्रगति के उत्तम संकेत नहीं हैं.

भूमि-जल पर्यावरण

खेती में उर्वरकों, कीटनाशकों शाकनाशियों अर्थात् रसायनों के अत्यधिक प्रयोग में भूमि की दशा निश्चय ही खराब हुई है. जिससे की भूमि के लाभदायक कीट, केंचुए, जीवाणु इत्यादि नष्ट हुए हैं, साथ ही साथ सूक्ष्म तत्वों में भी भारी कमी हुई. अतः जीवांश खादों के प्रयोग से हम रोक सकते हैं फसल चक्र अपना सकते हैं उर्वरकों का संतुलित प्रयोग कर सकते हैं कई जंगल भी नष्ट किये गये सघन पद्धतियों के प्रयोग के कारण जिससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ा है अर्थात् इसका दोहन कम किया जाए एवं इन्हें संरक्षित किया जाने का प्रयास करना नितांत आवश्यक है.

लाभ/खर्च अनुपात

हमारी बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए खाद्यान्न की उपलब्धि बनाये रखने के लिए सस्य रसायनों का प्रयोग निरंतर बढ़ता ही जा रहा है. जिससे की हमारी भूमि में मृदा में तथा मृदा के गुणों पर हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है. यदि यह प्रक्रिया लंबी अवधि तक चलती रही तो भूमि एवं जल की उपादेयता समाप्त हो जायेगी और नई पीढ़ी का जीवन ही असुरक्षित हो जायेगा वर्तमान में हमारे देश की जनसंख्या दिनों-दिन बढ़ रही है और कृषि क्षेत्र बराबर कम होता जा रहा है. ऐसी परिस्थिति में हम टिकाऊ खेती का प्रयोग करना अत्यंत आवश्यक है तथा जिसके अंतर्गत प्राकृतिक संसाधनों का इसका इस प्रकार से प्रयोग किया जाए कि वर्तमान व भविष्य दोनों में संतुलन हो. इस प्रकार की खेती का प्रयोग करके हम अपने भविष्य की पीढ़ी को सुरक्षित तो कर रही है बल्कि हमें प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा एवं सुरक्षा करके या उन्हें सुरक्षित बनाये रखने का कर्त्तव्य भी पूरी तरह निभा रहे हैं. अर्थात् हमें टिकाऊ खेती का प्रयोग किया जाना चाहिए. जिसके द्वारा हमें आर्थिक लाभ एवं भारत सरकार को पूर्णतः उत्पादन से लाभ प्राप्त हो सके.

कृषि क्षेत्र में सम्पन्नता लाने के लिए उत्पादकता टिकाऊपन तथा समानता की बहुत जरूरत है हमें भारत में भी बदलते पर्यावरण में कृषि निर्वाह की प्राथमिकता देनी अनिवार्य आवश्यकता है. इसका मुख्य उद्देश्य भविष्य में हम आर्थिक दृष्टि से कारगर, पर्यावरण की दृष्टि त्रुटीहीन सामयिक दृष्टि से सुसंगत प्रौद्योगिकी जो कम लागत पर अधिक से अधिक कृषि उत्पाद दे सकें.

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि टिकाऊ खेती मानव जाति को निरंतर खुशहाली प्रदान का वचन देती है.

टिकाऊ खेती का महत्व

टिकाऊ खेती का महत्व सबसे अधिक वर्तमान खेती की प्रणालियों, तरीकों एवं समस्याओं को सुधारने में है. टिकाऊ खेती मुख्य रूप से प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा से जुड़ी हुई हैं मृदा, जल, ऊर्जा, वन-विकास एवं जंगली पशुओं की सुरक्षा या इन्हें सुरक्षित रखने से है. टिकाऊ खेती में इनके प्रबंधन पर विशेष प्रकार से ध्यान दिया जाता है. कई प्रकार की उत्पन्न समस्याओं जैसे- सौर ऊर्जा का उचित प्रयोग, वातावरण प्रदूषण की रोकथाम पर्यावरण का संतुलन डगमगाना इत्यादि समस्याओं पर विशेष रूप से ध्यान देना ही इसमें निम्न विषय है अर्थात् भविष्य में टिकाऊ खेती के माध्यम से इन समस्याओं को सुधारने का प्रयास किया जा रहा है.

टिकाऊ खेती का लाभः

- पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाये रखने में टिकाऊ खेती का प्रमुख कार्य है.
- वातावरणीय प्रदूषण कम होता है.
- लगाई फसलों की उत्पादन लागत कम आती है.
- प्राकृतिक संसाधनों का दोहन उचित प्रकार से करते हैं.
- टिकाऊ खेती में भूमि, जल, ऊर्जा इत्यादि प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग हम इस प्रकार से करते हैं कि भविष्य में आने वाली पीढ़ियां इसका प्रयोग एवं दोहन ध्यान रखकर कर सकें.

धनिया की उन्नत खेती

धनिया हमारे दैनिक उपयोग के मसालों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है जो पूरे वर्ष सम्पूर्ण देश में उगाया जाता है इसलिए पूरे वर्ष आय का साधन हो सकता है, हरी पत्तियां सब्जियों में उपयोग की जाती हैं। धनिया में मधुर सुगंध कोरोमिन्डाल, लिनाकोल, एल्कोहल पदार्थ उपस्थिति के कारण होता है। सूखे धनिया के बीजों को रबी में बोया जाता है। मध्यप्रदेश का 70 प्रतिशत धनिया गुना, अशोक नगर, शिवपुरी, दतिया जिले में उगाया जाता है इसके अलावा शाजापुर, मंदसौर, राजगढ़ जिलों में भी बोया जाता है। अधिक एवं गुणवत्तापूर्ण उपज के लिये उन्नत तकनीक अपनाना आवश्यक है।

बीज की मात्रा एवं बुवाई विधि

सिंचित अवस्था में बीज दर 12-15 किलो ग्राम तथा असिंचित अवस्था में 25-30 किलोग्राम प्रति हेक्टर बीज की आवश्यकता होती है। जिसे बुवाई पूर्व बीज को 24 घंटे पानी में भिगो कर रखें जिससे अंकुरण शीघ्र और अच्छा होता है। इसके बाद थाइरम या डाइथेम -एम 45 की 3 ग्राम दवा से प्रति किलो बीज उपचारित कर बोयें। बुवाई कतारों में की जाती है जिसमें कतार से कतार की दूरी 25-30 सेमी, पौधे से पौधे की दूरी 5-7 सेमी रखें और बीज को 3-5 सेमी गहराई पर बुवाई करें।

भूमि

असिंचित धनिया के लिये काली मिट्टी जिसकी जलधारण क्षमता एवं जल निकास वाली अच्छी भूमि हो और सिंचित धनिया बोने के लिए दोमट एवं बलुई दोमट मिट्टी सर्वोत्तम होती है जिसमें जीवांश की मात्रा पर्याप्त हो।

खेत की तैयारी

असिंचित क्षेत्र में अंतिम वर्षा जल की नमी को संरक्षित करते हुए 2-3 जुताई कर यथाशीघ्र बुवाई करें तथा सिंचित खेत में खरीफ फसल की कटाई के बाद 2-3 जुताई करें।

बुवाई का समय

रबी में बुवाई के लिये 15 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक उपयुक्त समय है। देरी बुवाई करने पर भभूतिया रोग की संभावना बढ़ जाती है।

उन्नत जातियां

साधना,पंत हरितिमा, गुजरात धनिया, सिंधु,स्वाति, उदयपुर धनियां-20

खाद एवं उर्वरक प्रबंधन

खेत की तैयारी के समय 15-20 टन अच्छी सड़ी हुई गोबर खाद खेत में मिला दें। सिंचित अवस्था में प्रति हेक्टर 60 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम फास्फोरस एवं 30 किलोग्राम पोटाश पर्याप्त होता है। जिसमें नत्रजन की आधी मात्रा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा आधार खाद के रूप में बुवाई के समय बीज के नीचे ऊर कर दें तथा शेष नत्रजन की मात्रा प्रथम एवं द्वितीय सिंचाई के समय दें उस समय खेत में पर्याप्त नमी होना आवश्यक है।

निंदाई एवं गुड़ाई

धनिये की फसल में प्रथम निराई गुड़ाई बुवाई के 25-30 दिन पर करना चाहिये जिसमें जहां अधिक पौधे उगे हों वहां से पौधे उखाड़ दें।

सिंचाई

अच्छी पैदावार के लिये फसल की क्रान्तिक अवस्थायें - जैसे शाखायें फूटते समय, फूल आते समय, बीज बनते समय खेत में पर्याप्त नमी होना चाहिए। सिंचाई 10-15 दिन के अंतराल पर करें जो मिट्टी की किस्म और मौसम पर निर्भर करता है।

फसल उत्पादन

धनिया की फसल बीज के लिये 140-150 दिन में तैयार हो जाती है। बीज के रूप में 15 से 20 क्विं. प्रति हेक्टर उत्पादन प्राप्त होता है। पत्तियों के रूप में बोने के 45 दिन पश्चात से पत्तियों की कटाई कर विक्रय किया जा सकता है।

धनिया कटाई के बाद प्रबंधन

- फसल अवधि पूर्ण होने के पश्चात जब दाने परिपक्व हो जाये एवं दाने हरे रहें तब उसे काटकर छायादार स्थान में सुखाना चाहिए। दाने हरे रंग के रहने से बाजार में अधिक कीमत मिलती

संक्षिप्त समाचार

युद्ध की तैयारी में सनकी किंग ! उत्तर कोरिया ने समुद्र की ओर फिर दागीं बैलिस्टिक मिसाइलें

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया चीन की तरह अपनी उकसावे वाली कार्रवाइयों से बाज नहीं आ रहा है। माना जा रहा है कि सनकी जोर-शोर से युद्ध की तैयारी में जुटा हुआ है। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा है कि उत्तर कोरिया ने बृहस्पतिवार को समुद्र की ओर कम दूरी की कई बैलिस्टिक मिसाइल दागीं। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने एक दिन पहले ही दुश्मनों के साथ लड़ाई में देश की परमाणु क्षमता को पूरी तरह से तैयार रखने का संकल्प लिया था। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि उसे उत्तर कोरिया की राजधानी से दागी गई मिसाइलों का पता चला जो 360 किलोमीटर की दूरी पर कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच समुद्र क्षेत्र में जाकर गिरीं। जापान के प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा ने अधिकारियों को जहाजों एवं विमान की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया लेकिन तत्काल किसी क्षति की कोई सूचना नहीं है। मिसाइलों ने जितनी दूरी तय की है उससे प्रतीत होता है कि इन्हें दक्षिण कोरिया को निशाना बनाने के इरादे से विकसित किया गया है। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने मिसाइल दागे जाने की निंदा की और उसे उकसावे वाला कृत्य बताया और कहा कि इससे कोरियाई प्रायद्वीप में शांति को गंभीर खतरा है।

हमें मिला टॉप कमांडर का खत जिससे पता चला गाजा में हमास को हुआ भारी नुकसान : इजराय

यरूशलम, एजेंसी। हमास के एक वरिष्ठ कमांडर द्वारा लिखे एक पत्र का इजरायल ने खुलासा किया है। इसमें गाजा पट्टी में इजरायली हमले से उग्रवादी समूह को हुए भारी नुकसान की जानकारी है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली सेना ने कहा है कि यह पत्र हमास के खान यूनिस ब्रिगेड के कमांडर रफा सलामा द्वारा लिखा गया है। इसमें दावा किया गया है कि हमास के लगभग 80 प्रतिशत लड़ाके या तो मारे गए हैं, घायल हुए हैं या युद्धभूमि से भाग गए हैं। इजरायली सेना के खुफिया निदेशालय का कहना है कि जुलाई में हवाई हमले में मारे गए सलामा ने यह पत्र हमास नेता याह्या सिनवार और उसके भाई मुहम्मद को लिखा था। इजरायल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने बुधवार को कहा कि यह पत्र गाजा में इजरायली सैनिकों द्वारा जब्त की गई सामग्रियों में से एक है। गैलेंट के अनुसार, इस पत्र में हमास को हुए नुकसान का जिक्र है। इसमें बताया गया है कि उसके 70 प्रतिशत हथियार नष्ट हो गए हैं, 90-95 प्रतिशत रॉकेट नष्ट हो गए, आधे लड़ाके मारे गए और कई घायल हो गए या भाग गए। गैलेंट ने पत्र का हवाला देते हुए कहा, उनके पास केवल 20 प्रतिशत (लड़ाके) ही बचे हैं। पत्र में कथित तौर पर सिनवार बंधुओं से मदद मांगी गई है, जिसके बारे में गैलेंट ने कहा कि यह महीनों तक चले इजरायली बमबारी के बाद हमास के भीतर बढ़ते संकट को दर्शाता है। हमास ने 7 अक्टूबर, 2023 को अचानक दक्षिण इजरायल पर हमला किया था, जिसमें 1200 लोग मारे गए थे और 250 से ज्यादा को बंधक बना लिया गया था। इसके बाद से इजरायल हमास के खिलाफ गाजा में बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान चला रहा है।

वह इसकी कीमत चुकाएंगी, कमला हैरिस को राष्ट्रपति चुनाव के लिए टेलर स्विफ्ट के समर्थन पर ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। दुनिया की सबसे लोकप्रिय और प्रभावशाली सितारों में से एक टेलर स्विफ्ट ने अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस का समर्थन किया है। इसे लेकर जानेमाने उद्योगपति एलन मस्क ने उन पर निशाना साधा था। अब पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के मौजूदा राष्ट्रपति उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने उन पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मैं टेलर स्विफ्ट का प्रशंसक नहीं था। वह बहुत उदार शख्स हैं। वह हमेशा एक डेमोक्रेट का समर्थन करती हैं। उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी। जिस क्षेत्र में वह मशहूर हैं, उससे जुड़े लोग ही स्विफ्ट को सही-गलत की सीख देंगे। इससे पहले स्विफ्ट ने मंगलवार को अपनी चुप्पी तोड़ते हुए ट्रंप के बजाय कमला हैरिस का समर्थन किया था। उन्होंने डेमोक्रेटिक उम्मीदवार को स्थिर, प्रतिभाशाली नेता कहा था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, मैं 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस और टिम वॉल्ज को अपना वोट दूंगी। मैं कमला हैरिस के साथ हूं, क्योंकि वह लोगों के अधिकारों के लिए लड़ती हैं। मुझे लगता है कि अगर हम अराजकता के बजाय शांति से आगे बढ़ें तो हम इस देश में बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं।

इराक-ईरान में पकड़े गए 90 प्रतिशत भिखारी पाकिस्तानी, तीर्थयात्री बनकर करते हैं घुसपैठ

तेहरान, एजेंसी। हाल के दिनों में बड़ी संख्या में पाकिस्तानी भिखारी मध्य पूर्व के देशों की यात्रा कर रहे हैं, जिससे स्थानीय अधिकारियों के बीच चिंता बढ़ गई है। ये लोग धार्मिक तीर्थयात्री बनकर इन देशों में प्रवेश करते हैं, लेकिन बाद में भीख मांगने लगते हैं। इस मुद्दे ने स्थानीय प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है, जिससे पाकिस्तानी यात्रियों की कड़ी जांच शुरू हो गई है। यह समस्या विशेष रूप से इराक में गंभीर है, जहां कई पाकिस्तानी धार्मिक यात्रा के लिए आते हैं लेकिन वहां पहुंचकर भीख मांगने लगते हैं। रिपोर्टों के अनुसार, मध्य पूर्व के देशों में गिरफ्तार किए गए भिखारियों में से 90त्न पाकिस्तानी नागरिक होते हैं।

इसने तीर्थयात्रा वीजा का गलत इस्तेमाल करने पर गंभीर सवाल उठाए हैं। चिंता की बात यह भी है कि इराक में 18 से 25 साल की पाकिस्तानी लड़कियां भी भीख मांगने में लिप्त पाई गई हैं, जो इस समस्या की गंभीरता को और बढ़ा रही है। यह समस्या ईरान में भी देखने को मिल रही है, जहां पाकिस्तानी नागरिकों द्वारा भिखारी बनने के कई मामले सामने आए हैं। ईरानी अधिकारियों ने भी पाकिस्तानी नागरिकों के भिखारी बनने के साथ-साथ नशीली दवाओं की तस्करी और मानव तस्करी में लिप्त होने पर चिंता जताई है। यह समस्या पाकिस्तान में सक्रिय संगठित भिखारी नेटवर्क का हिस्सा है।

ये नेटवर्क तीर्थयात्रा वीजा जैसे उमराह और जियारत वीजा का दुरुपयोग करके

लोगों को सऊदी अरब, ईरान और इराक जैसे देशों में भेजते हैं, जहां वे भीख मांगते हैं। पाकिस्तान में भिक्षावृत्ति केवल गरीबी का परिणाम नहीं है, बल्कि यह एक संगठित उद्योग बन चुका है जो बड़े पैमाने पर राजस्व उत्पन्न करता है। रिपोर्टों के मुताबिक, पाकिस्तान में लगभग 38 मिलियन भिखारी हैं, जो सालाना 42 बिलियन की कमाई करते हैं। इस समस्या को हल करने के प्रयासों को भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। भ्रष्टाचार और मिलीभगत की खबरें सामने आई हैं, जिनमें पाकिस्तानी अधिकारियों और ईरानी ड्राइवरों द्वारा भिखारियों को सीमाओं के पार ले जाने की मदद करने के आरोप शामिल हैं। इस स्थिति ने पाकिस्तान सरकार को शर्मिंदा किया है और मध्य पूर्वी देशों के साथ उसके संबंधों पर असर डाला है। यह समस्या सिर्फ इराक और ईरान तक सीमित नहीं है, बल्कि सऊदी अरब, यूएई और कतर जैसे देशों में भी पाकिस्तानी भिखारी पाए जा रहे हैं, जो अक्सर तीर्थयात्रा या रोजगार वीजा पर इन देशों में आते हैं और फिर भीख मांगने लगते हैं। इससे इन देशों में जेलों की भीड़भाड़ और पाकिस्तानियों की छवि खराब हो रही है। इस स्थिति से निपटने के लिए इराक जैसे कुछ मध्य पूर्वी देशों ने पाकिस्तानी तीर्थयात्रियों से यह गारंटी मांगी है कि वे अपनी तीर्थयात्रा के बाद वापस लौटेंगे। इस समस्या को लेकर पाकिस्तानी संसद में भी चर्चा हो रही है, जहां सांसदों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की छवि पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव और इस मुद्दे से निपटने के लिए सख्त उपायों की मांग की है।

जापान में तूफान बेबिनका मचा सकता है तबाही, मौसम एजेंसी ने जारी की चेतावनी

टोक्यो, एजेंसी। जापान की मौसम एजेंसी ने बुधवार को तूफान बेबिनका को लेकर चेतावनी दी है। एजेंसी ने कहा है कि तूफान के जापान के द्वीपों के पास पहुंचने की संभावना है, जिसमें ओकिनावा और अमामी क्षेत्र शामिल हैं। जिसके कारण गंभीर मौसम की स्थिति पैदा हो सकती है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने बताया कि इस साल का 13वां तूफान, जो मंगलवार रात मारियाना द्वीपों के पास बना, 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय समयानुसार बुधवार सुबह 9 बजे, उष्णकटिबंधीय तूफान का केंद्रीय दबाव 990 एचपीए (हेक्टोपास्कल) था और अधिकतम हवा की रफ्तार 25 मीटर प्रति सेकंड थी। जेएमए ने कहा कि तूफान का मजबूत हवा वाला क्षेत्र, जहां हवा की गति कम से कम 15 मीटर प्रति सेकंड है, केंद्र से 220 किलोमीटर के दायरे में फैला हुआ है। जेएमए ने चेतावनी दी है कि शनिवार और रविवार के बीच आने वाले इस तूफान के कारण प्रभावित क्षेत्रों में भारी बारिश, तेज हवाएं और ऊंची लहरें आ सकती हैं। एजेंसी ने निवासियों और विजिटर्स से सावधानी बरतने का आग्रह किया है। बता दें कि उष्णकटिबंधीय तूफान बेबिनका 2018 में भी आया था। यह चक्रवात उस समय लंबे समय तक चला था।

युद्ध के मैदान में सैनिकों की जगह लेंगे रोबोट, ऑस्ट्रेलिया की सेना कर रही परीक्षण

कैनबरा, एजेंसी। भविष्य में सैनिकों के स्थान पर रोबोट युद्ध लड़ते नजर आ सकते हैं। ऑस्ट्रेलियाई सेना ने इसे लेकर कोशिश भी शुरू कर दी है। सेना एक मानवरहित रोबोट का परीक्षण कर रही है, जिसे जीयूएस (ग्राउंड अनक्रूड सिस्टम) नाम दिया गया है। यह जोखिम भरे इलाकों में सैनिकों की जगह ले सकता है। ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि रोबोट का परीक्षण पिलबारा रेजिमेंट के सैनिक कर रहे हैं। यह रेजिमेंट ऑस्ट्रेलियाई सेना का रीजनल फोर्स सर्विलांस ग्रुप (आरएफएसजी) है। मंत्रालय के अनुसार, यह निगरानी रोबोट ऑस्ट्रेलिया में ही विकसित किया गया है। इसमें कैमरे और सेंसर लगे हैं, जो बैटरी के जरिए लगातार 30 दिनों से अधिक समय तक निगरानी कर सकते हैं। बैटरी की क्षमता कम होने पर एक ऑन-बोर्ड तरल ईंधन जनरेटर इसे रिचार्ज करेगा। सेना के फ्यूचर लैंड वारफेयर के महानिदेशक ब्रिगेडियर जेम्स डेविस ने कहा कि रक्षा अधिकारी नई तकनीक का इस्तेमाल करने वाली क्षमताओं को विकसित करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। मंत्रालय के मुताबिक, यह रोबोट गतिशील वस्तुओं का पता लगा सकता है और इस सूचना को रिमोट ऑपरेटर को भेज सकता है। जीयूएस में निगरानी क्षेत्र का विस्तार करने की क्षमता है। यह सैनिकों को मुश्किल मौसमी हालात से निकालने में भी सक्षम है। ऑस्ट्रेलियाई सेना और उसके औद्योगिक साझेदार ने मिलकर जीयूएस को विकसित किया है। इसका रिसर्च और डेवलपमेंट विक्टोरियन शहर यिनार में चल रहा है। विक्टोरिया के सबसे बड़े शिक्षा संस्थान, फेडरेशन यूनिवर्सिटी के मेक्ट्रोनिक्स शोधकर्ताओं ने सबसे पहले जीयूएस को विकसित किया था।

रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए भारत ने शुरू की कोशिशें, सेंट पीट्सबर्ग में रूसी एनएसए से मिले अजीत डोभाल

सेंट पीट्सबर्ग, एजेंसी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने सेंट पीटर्सबर्ग में अपने रूसी समकक्ष सर्गेई शोइगु से मुलाकात की। दोनों शीर्ष अधिकारियों की बैठक में यूक्रेन संघर्ष का समाधान खोजने में भारत की संभावित भूमिका और पारस्परिक हितों के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। बुधवार शाम को डोभाल-शोइगु की बैठक ब्रिक्स (ब्राजील-रूस-भारत-चीन-दक्षिण अफ्रीका) देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के सम्मेलन के दौरान हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 23 अगस्त को कीव में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बातचीत को लेकर भी दोनों एनएसए के बीच बातचीत हुई। रूस में भारतीय दूतावास ने डोभाल और शोइगु की मुलाकात पर कहा कि दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति की समीक्षा की और पारस्परिक हितों के अहम मुद्दों पर चर्चा की। गौरतलब है कि अजीत डोभाल की रूस यात्रा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूक्रेन यात्रा के ढाई सप्ताह बाद हो रही है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ अपनी मुलाकात में प्रधानमंत्री मोदी ने रूस यूक्रेन युद्ध तुरंत समाप्त करने की अपील की थी और कहा था कि भारत क्षेत्र में शांति बहाली के लिए सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार है। वहीं पिछले दिनों एक कार्यक्रम के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी अपने बयान में कहा था कि रूस-यूक्रेन युद्ध की समाप्ति के लिए वह भारत, चीन और ब्राजील की मध्यस्थता को स्वीकार कर सकते हैं।

प्रिंस हैरी को अमेरिकी अदालत से बड़ी राहत, वीजा स्थिति-ड्रग्स मामले में द हेरिटेज फाउंडेशन का मुकदमा खारिज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की अदालत से प्रिंस हैरी को बड़ी राहत मिली है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हैरी की वीजा स्थिति पर द हेरिटेज फाउंडेशन द्वारा लगाया गया मुकदमा समाप्त कर दिया गया है। संगठन ने हैरी के वीजा दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की मांग करते हुए होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) के खिलाफ सूचना की स्वतंत्रता अधिनियम (एफओआईए) मुकदमा दायर किया था। इस साल की शुरुआत में, जज निकोल्स ने प्रिंस हैरी के वीजा रिकॉर्ड की निजी तौर पर समीक्षा करने का अनुरोध किया था। राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन के वकीलों ने अप्रैल में पुष्टि की थी कि उन्होंने इस अनुरोध का अनुपालन किया है। यह मामला तब सामने आया था, जब प्रिंस हैरी ने ड्यूक ऑफ ससेक्स द्वारा अपने संस्मरण, स्पेयर में कोकीन, मारिजुआना और मैजिक मशरूम जैसे अवैध पदार्थों के उपयोग पर खुलकर चर्चा की। उन्होंने लिखा, बेशक...मैं इस समय कोकीन का सेवन कर रहा था। किसी के ग्रामीण घर में, एक शूटिंग सप्ताहांत के दौरान, मुझे एक लाइन की पेशकश की गई थी, और मैंने तब से कुछ और किया है। इस पर हेरिटेज फाउंडेशन ने तर्क दिया कि ये स्वीकारोक्ति अकेले यह तथ्य ही उसे संयुक्त राज्य अमेरिका में रहने और काम करने के लिए अस्वीकार्य बनाता है। हेरिटेज के वकीलों ने लिखा, मामला मुख्य रूप से इसलिए सामने आता है

क्योंकि एचआरएच (हिज रॉयल हाईनेस) ने स्वेच्छा से और अत्यधिक लाभ के लिए किसी भी संख्या में नियंत्रित पदार्थ उल्लंघन के तत्वों को लिखित रूप में स्वीकार किया है। ड्यूक ऑफ ससेक्स ने इस तथ्य के बावजूद ऐसा किया कि ऐसे प्रवेशों से गैर-नागरिकों के लिए प्रतिकूल आव्रजन परिणाम हो सकते हैं। दूसरी ओर, सरकारी वकीलों ने कहा कि हैरी के वीजा रिकॉर्ड का खुलासा करने से उनकी गोपनीयता का उल्लंघन होगा, उन्होंने तर्क दिया, रिकॉर्ड विशेष रूप से संवेदनशील हैं क्योंकि उन्हें जारी करने से, आंशिक रूप से भी, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रिंस हैरी की स्थिति का पता चल जाएगा, जिसका प्रिंस हैरी ने खुलासा नहीं किया है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि एफओआईए नियमों के तहत रिकॉर्ड से पता चलेगा कि प्रिंस हैरी ने संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा के लिए किस प्रकार के दस्तावेजों का इस्तेमाल किया था, उनकी प्रवेश स्थिति और किसी भी आव्रजन, या गैर-आव्रजन, लाभ जो उन्होंने मांगे होंगे। अदालत के रिकॉर्ड से पता चलता है कि वाशिंगटन, डीसी में न्यायाधीश कार्ल जे. निकोल्स द्वारा जारी किए गए कई सीलबंद आदेशों के बाद, मामला आधिकारिक तौर पर 9 सितंबर को खारिज कर दिया गया था। हेरिटेज फाउंडेशन के ओवरसाइट प्रोजेक्ट के मुख्य वकील काइल ब्रॉसनन ने न्यूजवीक को बताया, प्रिंस हैरी ने अपने संस्मरण में बार-बार अवैध दवाओं का उपयोग करने की बात स्वीकार की है। यह तथ्य ही उसे संयुक्त राज्य अमेरिका में अस्वीकार्य बनाता है। उन्होंने बताया कि मुकदमा इस बात का जवाब देने के लिए था कि क्या हैरी को देश में प्रवेश करते समय अधिमान्य उपचार मिला था।

बिजली कटौती के कारण ठप हुई चीन की डिजिटल व्यवस्था, लोगों के पास ब्रेड खरीदने के लिए भी नकदी नहीं

बीजिंग, एजेंसी। यागी तूफान ने वियतनाम और चीन में तबाही मचा दी, जिसका असर आज भी दिख रहा है। छह सितंबर को यह तूफान चीन के हैनान प्रांत से टकराया था। यागी तूफान के कारण क्षेत्र में भारी बारिश हुई, जिससे आम जनजीवन काफी ज्यादा प्रभावित हुआ। इस तूफान ने चीन जो भारी तबाही मचाई, उसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि तूफान के कारण उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जिसमें बिजली कटौती भी शामिल है। इस दौरान लोगों ने कैशलेस समाज में रहने की चुनौतियों का अनुभव साझा किया। बिजली कटौती के कारण लोग अपना मोबाइल उपकरण चार्ज नहीं कर पा रहे थे, जिससे उन्हें लेनदेन में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

चार्जिंग स्टेशन पर लोगों की भीड़ : सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में देखा गया कि मोबाइल फोन जैसे उपकरण चार्ज करने के लिए चार्जिंग स्टेशन पर भीड़ लगी है। यहां एक विक्रेता ने लोगों को फोन चार्ज करने के लिए एक इंजन-संचालित प्रणाली स्थापित की है। वीडियो के कैप्शन

में लोगों की परेशानियों का जिक्र किया गया। कैपिशन में कहा गया, तूफान के बाद पानी और बिजली काट दी गई। लोग मोबाइल उपकरण चार्ज करने के लिए परेशान हैं, क्योंकि उनका सारा पैसा मोबाइल वॉलेट में जमा होता है। बिना फोन के आप रोटी भी नहीं खरीद सकते।

कैशलेश समाज की कमजोरियों के बारे में चर्चा शुरू : वीडियो के वायरल होने के बाद संकट के समय में पूरी तरह से कैशलेस समाज की संभावित कमजोरियों के बारे में बातचीत शुरू हो गई। वहीं एक अन्य वीडियो में इलेक्ट्रिक वाहनों पर निर्भरता को लेकर भी चिंता जताई गई। लोग चार्जिंग स्टेशनों में अपने वाहनों को लेकर पहुंच रहे हैं। पोस्ट में बताया गया कि केवल 550 या उससे अधिक के सोशल क्रेडिट स्कोर वाले लोग ही चीन के प्राथमिक डिजिटल वॉलेट वीचेट का इस्तेमाल करके रिचार्ज कर सकते हैं। वीडियो में चीन की डिजिटल अर्थव्यवस्था के अन्य पहलू पर भी प्रकाश डाला गया है।

बॉस के साथ संबंध होना भारतीय मूल की वकील को पड़ा भारी, कंपनी ने नौकरी से निकाला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक भारतीय मूल की वकील का अपने बॉस के साथ संबंध होना भारी पड़ गया। दरअसल, यह पता चलने पर कि कंपनी के सीईओ के साथ महिला का रिश्ता है तो उसे नौकरी से निकाल दिया गया। नॉरफॉक साउथर्न कॉर्पोरेशन की मुख्य कानूनी अधिकारी नवनीता नाग को उनके पद से बर्खास्त कर दिया गया है। जांच में यह दावा किया गया था कि उनका अपने बॉस (मुख्य कार्यकारी अधिकारी एलन शॉ) के साथ सहमति से रिश्ता चल रहा था। मामला सामने आने पर शॉ को भी नौकरी से निकाल दिया गया था। नॉरफॉक साउथर्न कॉर्पोरेशन ने कहा, हालांकि यह संबंध सहमति से था, लेकिन दोनों अधिकारियों ने संबंध बनाकर कंपनी की नीतियों और आचार संहिता का उल्लंघन किया। कंपनी की नीतियों का उल्लंघन का आरोप कंपनी ने आगे कहा, नाग को नौकरी से बर्खास्त करने का कदम शुरुआती जांच के निष्कर्षों के बाद उठाया गया है। जांच में पता चला है कि शॉ ने कंपनी की मुख्य कानूनी अधिकारी के साथ सहमति से संबंध बनाकर कंपनी की नीतियों का उल्लंघन किया है। शॉ को भी इसी वजह से नौकरी से निकाला गया है। उनके काम का इससे कोई मतलब नहीं है। नाग के करियर पर एक नजर बता दें, नाग ने खुद को लिंक्डइन प्रोफाइल में खुद को अनुभवी बताया है। वह तीन फॉर्च्यून 300 सार्वजनिक

कंपनियों के साथ काम करती हैं। इससे पहले वह गोल्डमैन साक्स में काम करती थीं। उन्हें 2022 में मुख्य कानूनी अधिकारी और 2023 में कॉर्पोरेट मामलों का कार्यकारी उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया था। अगर शुरुआती करियर की बात करें तो साल 2020 में नॉरफॉक साउथर्न में जनरल काउंसल के रूप में शामिल हुई थीं। उन्होंने जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी से गवर्नमेंट और इंग्लिश में स्नातक की डिग्री और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ से ज्यूरिस डॉक्टर की डिग्री हासिल की है। अब, कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी मार्क आर जॉर्ज को शॉ की बर्खास्तगी के बाद अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी नामित किया गया है।

इजरायल ने गाजा में स्कूल और घरों पर की बमबारी, बच्चों व यूएन कर्मियों सहित 34 की मौत

गाजा, एजेंसी। गाजा में चल रहे इस संघर्ष में हालिया घटनाक्रम में इज़रायल की सेना ने हाल ही में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के स्कूल और गाजा में दो घरों पर हवाई हमले किए, जिनमें कुल मिलाकर 34 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 19 महिलाएं और बच्चे शामिल थे। इसके अलावा, मृतकों में संयुक्त राष्ट्र के 6 कर्मचारी भी थे। गाजा के अधिकारियों के अनुसार, इन हमलों में विस्थापित फिलिस्तीनी परिवारों ने उन स्थानों पर शरण ली हुई थी जिन्हें पहले सुरक्षित घोषित किया गया था। गाजा के अस्पतालों में लगातार घायलों की संख्या बढ़ रही है, जिसमें नुसैरात शरणार्थी शिविर के अल-जौनी प्रिपरेटरी बॉयज़ स्कूल पर हुए हमले में 14 लोगों की मौत हो गई, जिनमें दो बच्चे और एक महिला शामिल थीं। साथ ही, हमलों में कम से कम 18 लोग घायल हो गए। गाजा में यूएन के संचालित स्कूलों में से यह एक है, जहां विस्थापित फिलिस्तीनियों ने शरण ली हुई थी।गाजा में अब तक 41,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं, और 95,000 से अधिक घायल हुए हैं। इज़रायली हमलों में कई निर्दोष नागरिकों की मौत हो रही है, जबकि सेना का दावा है कि वे आतंकवादियों को निशाना बना रहे हैं। इस संघर्ष ने गाजा के निवासियों को स्कूलों और खंडहरों में शरण लेने के लिए मजबूर कर दिया है, और मानवीय स्थिति लगातार बदतर हो रही है।इज़रायली सेना का कहना है कि वह हमास के आतंकवादियों को निशाना बना रही है, जो इन स्थानों का इस्तेमाल कर रहे थे। विशेष रूप से, इज़रायल का दावा है कि स्कूल के अंदर से हमास आतंकवादियों द्वारा हमले की योजना बनाई जा रही थी। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। इस हमले में मारे गए बच्चों में से एक गाजा की

नागरिक सुरक्षा एजेंसी के सदस्य की बेटी भी थी, जो घायलों को बचाने और हमलों के बाद शव निकालने का काम करता था। बता दें कि गाजा में संघर्ष अक्टूबर पिछले साल तब शुरू हुआ जब हमास ने इज़रायल पर बड़े पैमाने पर हवाई और जमीनी हमले किए थे, जिसमें लगभग 1,200 इज़रायली नागरिक मारे गए थे और 250 से अधिक लोगों का अपहरण कर लिया गया था। इसके जवाब में, इज़रायल ने गाजा पर सैन्य कार्रवाई शुरू की, जो अब तक जारी है। इस संघर्ष को समाप्त करने के लिए कई अंतरराष्ट्रीय प्रयास किए गए हैं, लेकिन इज़रायल और हमास के बीच शांति वार्ता बार-बार विफल हो रही है। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर आरोप लगाते हुए नई शर्तें पेश कर रहे हैं, जिसके कारण कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्ट केजरीवाल एक दिन झुकेंगे और लोग उनसे इस्तीफा मांगेंगेः भाटिया

-दिल्ली सीएम को जमानत मिलने पर बीजेपी बोली खुश होने की जरुरत नहीं

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट के दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल को ज़मानत दिए जाने पर बीजेपी में बौखलाहट नजर आने लगी है। वह इसलिए कि अब केजरीवाल हरियाणा में होने वाले चुनाव में प्रचार करने उतरेंगे। इन्हीं सब नजरिए के चलते बीजेपी नेता गौरव भाटिया ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कट्टर बेईमान, आप संयोजक अरविंद केजरीवाल को फिर से आइना दिखाया है। जो आदेश पारित हुआ है, उसमें भ्रष्टाचारी केजरीवाल को सशर्त जमानत मिली है। आप नेताओं को ज्यादा खुश होने की जरुरत नहीं है। जमानत मिली है आरोप मुक्त नहीं हुए हैं। भाटिया ने कहा कि अन्य आरोपियों के जमानत आदेश की शर्तें अरविंद केजरीवाल पर भी लागू होंगी। केजरीवाल का पासपोर्ट कोर्ट में रहेगा। वह विदेश नहीं जा सकते हैं। वह हर सोमवार और गुरुवार को जांच अधिकारी के सामने पेश होंगे।

वह गवाहों को डरा नहीं सकते और साक्ष्य को नष्ट भी नहीं कर सकते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केजरीवाल को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए, उनका तर्क है कि मुख्यमंत्री का पद पर बने रहना भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को कमजोर करता है।

भाटिया ने कहा कि कोर्ट में उनकी दलील थी कि उनकी गिरफ्तारी अवैध है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अपीलकर्ता की गिरफ्तारी किसी भी अवैधता से ग्रस्त नहीं है। कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के दुष्प्रचार का भंडाफोड़ किया। अरविंद केजरीवाल को किसी भी अदालत से कभी राहत नहीं मिली और न ही कोई आरोप रद्द किया गया है। उन्होंने कहा कि आप को जवाब देना होगा कि अरविंद केजरीवाल इस्तीफा क्यों नहीं दे रहे हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ बीजेपी की जीरो टॉलरेंस है। भ्रष्ट केजरीवाल एक दिन झुकेंगे और लोग उनसे इस्तीफा मांगेंगे।

दिल्ली बीजेपी प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने अरविंद केजरीवाल से पद छोड़ने का आग्रह करते हुए कहा कि यदि उनमें नैतिकता बची है, तो उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। केजरीवाल और आप के पास कोई नैतिक चरित्र नहीं है। वे बहुत दूर हैं। सचदेवा ने आगे कहा कि आज केजरीवाल को जमानत दे दी गई है। आप जमानती क्लब बन गई है और वहां केजरीवाल का स्वागत है। सुप्रीम कोर्ट ने बहुत गंभीर टिप्पणी की है, उसने कहा है कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी कानूनी थी।

सचदेवा ने कहा है कि केजरीवाल को सशर्त जमानत मिलना कोई विशेष उपलब्धि नहीं है, मुकदमा चलेगा और उन्हें शीघ्र लम्बी सज़ा मिलेगी। केजरीवाल याद रखें वह अब लालू यादव,

मधु कोड़ा जैसे मुख्यमंत्रियों की सूची में आ गए हैं और उन्हें भी जमानत मिली और वह शीघ्र सज़ा पाकर फिर जेल जाएंगे। उन्होंन कहा कि केजरीवाल को जमानत बेशक मिली हो पर उन्हें अब मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। जब वह मुख्यमंत्री का काम नहीं कर सकेंगे तो वो मुख्यमंत्री क्यों? अगर वह सच्चे हैं तो यह शर्त क्यों? इस्तीफा दें?

पीएम मोदी का जन्मदिन..... अजमेर दरगाह में पकेगा 4 हजार किलो मीठा चावल

इंडियन माइनारिटी और चिश्ती फाउंडेशन ने लंगर का फैसला किया

अजमेर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर को अजमेर दरगाह में दुनिया की सबसे बड़ी देग (कड़ाही) में 4 हजार किलो मीठे चावल पकाए जाएंगे। इसके बाद तैयार मीठे चावल का प्रसाद लोगों में बांटा जाएगा। अजमेर दरगाह के गद्दीनशीन सैय्यद अफसान चिश्ती ने बताया कि पीएम मोदी के जन्मदिन पर इंडियन माइनारिटी और चिश्ती फाउंडेशन ने लंगर करने का निर्णय किया है। इसके लिए 15 वॉलेंटियर्स काम पर लगाए जाएंगे। जन्मदिन से एक दिन पहले कच्ची सामग्री एकत्र होगी। चिश्ती ने बताया कि ऐसा पहली बार होगा, जब किसी प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर दरगाह में लंगर का आयोजन होगा।

दरगाह में दो बड़ी देग

चिश्ती ने बताया कि दरगाह में छोटी और बड़ी दो देग है। बड़ी देग (दुनिया की सबसे बड़ी) में 4800 किलो और छोटी देग में 2400 किलो मीठे चावल पकाए जाते हैं। इसके बाद प्रसाद को लोगों में बांटा जाता है। इसमें केवल शाकाहारी भोजन ही पकाया जाता है।

मन्नत पूरी होने पर पकवाते हैं देग

चिश्ती ने बताया कि दरगाह परिसर में मौजूद बड़ी और छोटी देग जायरीन की आस्था से जुड़ी है। बताया जाता है कि मन्नत पूरी होने पर जायरीन अपनी आस्था और क्षमता के अनुसार देग पकवाते और लंगर लगाते हैं। जायरीन देगों में पैसा, ज्वेलरी, शकर, चावल, मेवे अपनी श्रद्धा के अनुसार डालते हैं, ताकि लंगर में उनका भी सहयोग हो सके। वहीं कई लोग पूरी देग ही पकवाते हैं। इसके लिए आवश्यक सामग्री मंगवाकर भेंट करते हैं। इसके लिए बुकिंग होती है। अंजुमन कमेटी की ओर से देग का हर महीने ठेका दिया जाता है। इससे आने वाले पैसे वेलफेयर में खर्च किए जाते हैं।

हर साल पीएम भेजते हैं उर्स में चादर

प्रधानमंत्री मोदी की ओर से साल 2014 से ही उर्स के मौके पर हर साल चादर भेजी जाती है। वे दिल्ली में ही दरगाह कमेटी के पदाधिकारी को यह चादर सौंपते हैं। कमेटी पदाधिकारी और भाजपा नेता चादर को दरगाह में पेश करते रहे हैं।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश से हालत बिगड़े, जलभराव से ट्रैफिक जाम

नई दिल्ली।

दिल्ली-एनसीआर में तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है। गुरुवार देर रात से ही दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा और आस-पास के इलाकों में बारिश हुई जो शुक्रवार दोपहर तक जारी रही। इससे तापमान में गिरावट आई है लेकिन सड़कों पर भरे पानी ने वाहनों पर पर ब्रेक लगा दिया। दिल्ली में कई इलाकों में जलभराव की तस्वीरें सामने आ रही हैं। बारिश के बीच पहाड़गंज में शमशान घाट की दीवार गिर गई। नबी करीम इलाके में एक मकान ढह गया. मलबे से दो लोगों का रेस्क्यू किया गया।

जलभराव से हालात बिगड़ते जा रहे है। ट्रैफिक पुलिस भी जाम की स्थिति को सामान्य बनाने की कोशिश में लगी है और लगातार अपडेट जारी कर रही है। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि इसको ध्यान में रखते हुए लोग अपनी यात्रा की योजना बनाएं। खानपुर गांव के पास पानी भरने के कारण हमदर्द टी-प्वाइंट से खानपुर की ओर जाने वाले कैरिजवे में एमबी रोड पर यातायात प्रभावित है। इसके अलावा जगह-जगह बसें खराब हो रही हैं, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा है।

बता दें कि मौसम विभाग ने पहले ही दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, चंडीगढ़ में शुक्रवार को भारी बारिश होने की संभावना

जताई थी। निचले इलाकों में जलभराव की बात कही थी1 मौसम विभाग ने शुक्रवार को दिल्ली में येलो अलर्ट जारी किया था। आज दिल्ली में मध्यम बारिश का अलर्ट है। इसके बाद बारिश में कमी देखी जाने की उम्मीद है। अब वह इस डिप्रेशन से मिल चुका है. यह डिप्रेशन आठ किमी प्रति घंटे की स्पीड से उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर है। इसका असर ग्वालियर, आगरा, झांसी और अलीगढ़ में देखने को मिल रहा है। धीरे-धीरे ये उत्तर-उत्तर-पूर्व की तरफ बढ़ रहा है जिसका असर दिल्ली में देखने को मिल रहा है।

श्रीलंकाई नौसेना से तमिल मछुआरों की नाव में मारी टक्कर, कई मछुआरे घायल

नई दिल्ली।

कोडियाक्कराई के दक्षिण-पूर्व में मछली पकड़ते समय श्रीलंकाई नौसेना के जहाज से टकराने के बाद तमिल मछुआरों की नाव डूब गई। इस घटना में कई मछुआरे घायल हो गए। यह टक्कर उस समय हुई जब वे इलाके में काम कर रहे थे। गश्त पर निकले श्रीलंकाई नौसेना के जहाज ने पर उनकी नाव को टक्कर मार दी, जिससे नाव समुद्र में डूब गई। घायल मछुआरों से श्रीलंकाई नौसेना के अधिकारियों ने करीब छह घंटे तक पूछताछ की इसके बाद उनका कोई चिकित्सा उपचार नहीं करवाया । मछुआरों को आखिरकार मौके पर पहुंचे अन्य स्थानीय मछुआरों को सौंप दिया गया और श्रीलंकाई नौसेना का जहाज वहां से चला गया। अन्य मछुआरों की मदद से डूबी हुई नाव को बरामद कर लिया गया और घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पलटी हुई नाव और उसके ऊपर बैठे मछुआरे की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

मछुआरों ने जीपीएस डिवाइस और मछली पकड़ने के जाल सहित इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के क्षतिग्रस्त होने या खो जाने के कारण करीब 6.5 लाख रुपए का नुकसान होने की सूचना दी है। पूर्व एआईएडीएमके मंत्री जयकुमार ने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि पिछले दस सालों के विपरीत, श्रीलंकाई नौसेना ने 2024 में बहुत सारे मछुआरों को गिरफ्तार किया है।

यह मछुआरों के लिए बीच समुद्र में एक सतत संघर्ष बन गया है। उन्होंने क्षेत्र में तमिल मछुआरों के सामने आने वाली कठिनाइयों की ओर ध्यान आकर्षित किया।

महाराष्ट्र में केमिकल फैक्ट्री से गैस लीक होने पर मचा हड़कंप, शहर में छाई धुंध

-आंख और गले में होने लगी जलन, भोपाल गैस त्रासदी आई याद

मुंबई।

महाराष्ट्र के अंबरनाथ में केमिकल फैक्ट्री से गैस लीक होने से इलाके में दहशत फैल गई। केमिकल का धुआं पूरे शहर में फैल गया, जिससे लोगों की आंखों और गले में जलन होने लगी। इससे लोगों को भोपाल गैस त्रासदी का मंजर याद आ गया। इस घटना के वीडियो सामने आए हैं जिसमें सड़कें धुएं की धुंध में ढकी दिखाई दे रही हैं। जो लोग इसके संपर्क में आए वह अपनी नाक और मुंह को ढक रहे थे। एक रिपोर्ट में कहा है कि गैस रेलवे ट्रैक तक पहुंच गई। गैस और रिसाव के कारण का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए टीमें भी भेजी गई हैं। अधिकारियों ने लोगों से घरों में ही रहने की अपील की है। बता दें 12 सितंबर रात करीब दस बजे मोरीवली एमआईडीसी इलाके में तेज गंध आने लगी। इससे लोगों को परेशानी होने लगी। इसी बीच फायर ब्रिगेड को मौके पर बुलाया गया। जब फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने

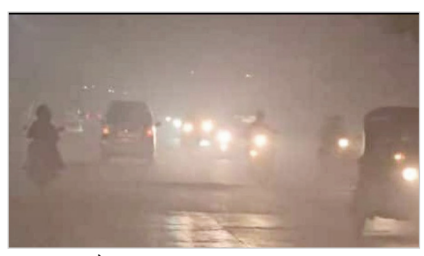

जांच की और पूछताछ की तो एमआईडीसी में किसी भी कंपनी से कोई गैस नहीं निकली थी। हालांकि शहर में धुआं फैलने से लोगों में दहशत फैल गई। जानकारी के मुताबिक निककेम केमिकल फैक्ट्री से हवा में रसायन फैलने से लोगों को परेशानी हुई। कई लोगों को गले में खराश और आंखों में जलन की समस्या हुई। वर्तमान में वायु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की मोबाइल वैन द्वारा वायु प्रदूषण की निगरानी की जा रही है। सटीक गैस की जांच की जा रही है। प्रशासन ने भी कहा है कि स्थिति नियंत्रण में है और घबराने की जरूरत नहीं है।

मायावती के बाद सतीश चंद्र ने अखिलेश को दिखाया आईना....क्यों टूटा गठबंधन

लखनऊ ।

यूपी में सपा-बसपा केगठबंधन टूटने पर बहसबाजी तेज हो गई है। पहले बसपा प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने गठबंधन टूटने की वजह को लेकर खुलासा किया। इसके बाद सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने मायावती के खुलासे पर जवाब दिया। अखिलेश ने मायावती को फोन का जवाब न दिए जाने के बाबत कहा है कि हमने फोन किया था। कभी-कभी लोग अपनी बातें छिपाने के लिए ऐसी बातें करते हैं। इसके बाद मायावती और सतीश चंद्र ने अखिलेश पर डबल अटैक किया है। मायावती ने पोस्ट कर कहा कि बीएसपी सैद्धान्तिक कारणों से गठबंधन नहीं करती है और अगर बड़े उद्देश्यों को लेकर कभी गठबंधन करती है, तब फिर उसके प्रति ईमानदार भी जरूर रहती है। सपा के साथ सन 1993 व 2019 में हुए गठबंधन को निभाने का भरपूर प्रयास किया गया, किन्तु 'बहुजन समाज' का हित व आत्म-सम्मान सर्वोपरि।

मायावती ने कहा कि बीएसपी जातिवादी संकीर्ण राजनीति के विरुद्ध है। अतः चुनावी स्वार्थ के लिए आपाधापी में गठबंधन करने से अलग हटकर 'बहुजन समाज' में आपसी भाईचारा बनाकर राजनीतिक शक्ति बनाने का मूवमेन्ट है, ताकि बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर का मिशन सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त कर आत्मनिर्भर हो सके।

वहीं सतीश चंद्र ने अखिलेश को निशाने पर लेकर कहा कि मैं सभी को यह अवगत कराना चाहता हूं कि 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा और सपा के गठबंधन टूटने की वजह सपा मुखिया खुद हैं, जो मायावती ने अपनी पार्टी द्वारा जारी की गई पुस्तक में लिखा हैं। उन्होंने कहा कि बहन जी के फोन करने के पूर्व मेरे द्वारा फोन करने पर सपा प्रमुख फोन पर नहीं आए, फिर पार्टी कार्यालय से फोन गया और तब फिर भी फोन पर अखिलेश से बात नहीं हुई। फिर भी बहन जी ने बड़े होने के नाते सपा प्रमुख को फोन कर के हौसला देने की कोशिश की थी लेकिन वे फोन पर नहीं आए। और इस सबका परिणाम यह रहा कि बीएसपी को गठबंधन तोड़ना पड़ा। अखिलेश का यह व्यवहार समाज के दलितों, वंचितों एवं शोषितों के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाने वाला था।

केजरीवाल की जमानत पर आतिशी ने कहा, सत्यमेव जयते

आप नेताओं ने जताई खुशी बोले-सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं

नई दिल्ली।

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने आबकारी नीति से जुड़े कथित घोटाले के मामले में जमानत दे दी है। उनके शुक्रवार को जेल से बाहर आने की उम्मीद है, जिसके बाद वह आम लोगों से संवाद करेंगे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर खुशी जाहिर करते हुए आम आदमी पार्टी सांसद राघव चड्ढा ने अरविंद केजरीवाल के जेल से बाहर आने पर खुशी जताई है। उन्होंने अपने हैंडल पर लिखा-बाहर आने पर आपका स्वागत। हमने आपको बहुत मिस किया। सत्य परेशान हो सकता है लेकिन हार नहीं सकता! सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के बेटे अरविंद केजरीवाल को जेल की बेड़ियों से आजाद करने का फैसला सुना दिया है। माननीय सुप्रीम कोर्ट का शुक्रिया। दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने अपने एक्स पर लिखा-सत्यमेव जयते..सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं। वहीं मनीष सिसोदिया ने एक्स हैंडल पर अरविंद केजरीवाल की तिरंगा हाथ में पकड़े एक फोटो शेयर कर लिखा-झूठ और साजिशों के खिलाफ लड़ाई में आज फिर सत्य की जीत हुई है। एक बार फिर नमन करता हूं बाबा साहेब अंबेडकर जी की सोच और दूरदर्शिता को, जिन्होंने 75 साल पहले ही आम आदमी को किसी भावी तानाशाह के मुकाबले मजबूत कर दिया था। सिसोदिया ने लिखा-ये एक बार फिर साबित हो गया है कि अरविंद केजरीवाल जैसा सच्चा, ईमानदार, देशभक्त नेता इस देश में नहीं है जिनको गिरफ्तार करने के लिए बीजेपी ने हज़ारों तरह की साजिश रची हैं। उन्हें जेल में डाला। आज सुप्रीम कोर्ट का हम धन्यवाद करते हैं जिनके कारण आज सच्चाई की जीत हुई है और झूठ का पर्दाफाश हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को ज़मानत दिए जाने पर आप सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि एक लंबे समय के बाद अरविंद केजरीवाल जी लौट रहे हैं इसके लिए मैं सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद देता हूं...अरविंद केजरीवाल सिर्फ एक नाम नहीं है, बल्कि ईमानदार राजनीति का एक ब्रांड है। उनकी बढ़ती लोकप्रियता के कारण उन्हें 6 महीने के लिए जेल जाना पड़ा लेकिन केजरीवालजी आज फिर से लौटे रहे हैं तो आज दिल्ली की सभी मां-बहन खुशी मना रही हैं। आने वाले समय में आप और मजबूत होगी। मैं सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का स्वागत करता हूं...अब हरियाणा में होने वाले चुनाव में आम आदमी पार्टी के लिए प्रचार अभियान की कमान अरविंद केजरीवाल ही संभालेंगे। बता दें अरविंद

केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। उन्हें 10-10 लाख रुपए के दो मुचलके जमा करने के बाद सुप्रीम कोर्ट से जमानत दी है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को लेकर सार्वजनिक टिप्पणी करने पर रोक लगाई है। कोर्ट ने कहा है कि मुकदमे में केजरीवाल सहयोग करें। केजरीवाल को सीबीआई वाले मामले में भी जमानत पहले ही मिल चुकी है। केजरीवाल मामले में सुनवाई करते हुए दोनों जजों ने अलग-अलग बातें रखी है।

सितंबर के आखिर में अमेरिका जाएंगे पीएम मोदी, क्वाड समिट में करेंगे शिरकत

नई दिल्ली।

पीएम नरेंद्र मोदी सिंतबर के आखिर में अमेरिका दौरे पर जाने वाले हैं। पीएम मोदी 21 से 23 सितंबर तक अमेरिका में ही रहेंगे। इस दौरान वह क्वाड लीडर्स समिट के अलावा कई बड़े आयोजनों में भाग लेंगे। पीएम मोदी 21 सितंबर को डेलावेयर के विलिंगटन में चौथे क्वाड लीडर्स समिट में शिरकत करेंगे। 22 सितंबर को न्यूजर्सी में भारतीय समुदाय से मुलाकात करेंगे। पीएम मोदी 23 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र के समिट ऑफ द फ्यूचर में भी शामिल होंगे।

क्वाड संगठन की बैठक 21 सितंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन के होमटाउन डेलावेयर में होगी।

पहले क्वाड की बैठक भारत में जनवरी 2024 में होनी थी लेकिन किसी कारण से इस समिट को सितंबर तक टाल दिया गया था। भारत 2025 में क्वाड संगठन की मेजबानी करेगा।

बता दें क्वाड समिट चार देशों का संगठन है, जिसमें भारत के अलावा अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं। इसका गठन 2007 में हुआ था लेकिन 2017 में इसे दोबारा सक्रिय किया गया। इस संगठन का उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते दबदबे को रोकना है। रिपोर्ट के मुताबिक न्यूजर्सी में 22 सिंतबर को पीएम मोदी के मेगा इवेंट के लिए भारतीय समुदाय के 24 हजार से ज्यादा लोग शामिल होंगे। इस इवेंट का नाम मोदी एंड यूएस प्रोग्रेस टुगेदर होगा। इस कार्यक्रम में अमेरिका के 42 राज्यों के भारतीय मूल के नागरिक शामिल हो सकते हैं। पीएम मोदी ने 2019 में टेक्सास में हाउडे मोदी मेगा इवेंट को संबोधित किया था, जहां पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने भी शिरकत की थी। बता दें कि पीएम मोदी का अमेरिकी दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होने वाले है और फिलहाल वहां चुनाव प्रचार अपने चरम पर है।

संक्षिप्त समाचार

बाहरी लोगों के कारण हिमाचल में चलना भी मुश्किलः सीएम सुक्खू

शिमला। सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि बाहरी लोगों के कारण हिमाचल प्रदेश में चलना तक मुश्किल हो गया है। यह बात उन्होंने स्ट्रीट वेंडर्स के मुद्दे पर कही। उन्होंने कहा कि इस मामले में कमेटी बनाई जाएगी। हिमाचल प्रदेश के सीएम सुक्खू शुक्रवार को हिमाचल के शिमला और मंडी में मस्जिद विवाद पर प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि शिमला मस्जिद मामले में हम कानून के मुताबिक काम करेंगे। पिछले कुछ दिनों से चल रहे विवाद को भी सुलझाया जाएगा। मस्जिद कमेटी ने कहा है कि अगर कोई अवैध निर्माण है तो उसे खुद ही गिराने की इजाजत दी जाए। हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं लेकिन अवैध निर्माण से कानून के तहत निपटा जा सकता है। सीएम सुक्खू ने कहा कि स्ट्रीट वेंडर्स के मामले में कमेटी बनाई जाएगी। लोग बाहर से आ रहे हैं और लोगों का पैदल चलना मुश्किल हो रहा है। मंडी में भी अवैध निर्माण का मामला सामने आया और मस्जिद कमेटी ने खुद ही इसे गिरा दिया। हिमाचल प्रदेश में विरोध-प्रदर्शन होते रहते हैं और यह हिमाचल प्रदेश में कोई नई बात नहीं है।

आगरा की अदालत में कंगना के खिलाफ वाद दायर

आगरा। आगरा की एक अदालत में फिल्म अभिनेत्री एवं भाजपा सांसद कंगना रनौत के खिलाफ किसान आंदोलन को लेकर की गई 'आपतिजनक' टिप्पणी के लिए वाद दायर हुआ है। वरिष्ठ अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने एमपी/एमएलए विशेष अदालत में सांसद रनौत के विरुद्ध राष्ट्रद्रोह एवं राष्ट्र अपमान के आरोप में वाद दायर किया है। वादी ने आरोप लगाया है कि रनौत ने एमएसपी एवं अन्य मांगों को लेकर पिछले वर्षों में दिल्ली की सीमाओं पर धरने पर बैठे लाखों किसानों के प्रति बेहद अभद्र टिप्पणी कर उन्हें ''हत्यारा और बलात्कारी'' करार दिया था। न्यायाधीश अनुज कुमार सिंह ने वादी अधिवक्ता के बयान दर्ज करने के लिए 17 सितंबर की तिथि तय की है। न्यायालय में प्रस्तुत वाद में शर्मा ने कहा है कि वे पारिवारिक रूप से किसान के बेटे हैं तथा वकालत से पूर्व कई वर्ष तक किसानी की है और वह रनौत की टिप्पणी से आहत हैं।

दिल्ली में 26 बाल मजदूरों को मुक्त कराया

नई दिल्ली । पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार इलाके में जिला प्रशासन और पुलिस टीम ने वर्कशॉप और कारखानों सहित आठ स्थानों पर छापेमारी कर 26 बाल मजदूरों को मुक्त कराया। जिला प्रशासन अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक बच्चे अत्यधिक विषम परिस्थितियों में काम करते मिले। बयान दर्ज करने के लिए उन्हें बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मयूर विहार के उपमंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) संजय कुमार ने बताया कि मयूर विहार के कोंडली और घड़ोली इलाकों में छापे मारे गए, जहां नौ से 14 वर्ष की आयु के 26 बच्चे आठ अलग-अलग स्थानों पर कठोर कामकाजी परिस्थितियों में काम करते मिले तथा उन्हें रहने के लिए ठीक जगह भी नहीं दी हुई थी। उन्होंने बताया, प्रशासन को सूचना मिली थी कि कोंडली व घड़ोली में बच्चों से मजदूरी करवाई जाती है। सूचना को गंभीरता से लिया गया। प्रशासन ने पुलिस, बचपन बचाओं आंदोलन, श्रम विभाग, बाल समिति के अधिकारियों के साथ बैठक की।

किडनी ट्रांसप्लांट के बाद एंजियोप्लास्टी.....लालू को डॉक्टरों की सलाह नानवेज छोड़ दें

पटना । आरजेडी सुप्रीमो और पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव की एंजियोप्लास्टी मुंबई के एशियन हार्ट अस्पताल में हुई है। उन्हें एक स्टेंट लगा है। इसके पहले 2014 में उनकी ओपन हार्ट सर्जरी हुई थी। करीब 6 घंटे में एऑर्टिक वाल्व बदला गया था। इस दौरान दिल में मौजूद 3 एमएम के छेद को भरा गया था। इसके पहले लालू का किडनी ट्रांसप्लांट 5 दिसंबर 2022 को सिंगापुर के अस्पताल में हुआ था। बेटी रोहिणी आचार्य ने पिता को किडनी डोनेट की थी। कुछ दिन पहले लालू सिंगापुर से किडनी का चेकअप कराकर लौटे हैं। उसके बाद उन्होंने मुंबई जाकर एंजियोप्लास्टी करवा ली। लालू को शुगर सहित कई बीमारियां हैं। सबसे बड़ी दिक्कत यह कि वे खुद स्वीकार करते हैं कि जीभ पर नियंत्रण नहीं रख पाते और नॉनवेज खा लेते हैं। वे घर में बैठे भी नहीं रह सकते। राजनैतिक कार्यक्रमों में जाने की जिद करते हैं। डॉक्टरों ने उन्हें मास्क लगाकर बाहर निकलने की सलाह दी है, लेकिन वे उनकी भी बात नहीं मानते।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

उधना में 4.72 करोड़ की लागत से नवनिर्मित एस.टी. डिपो का लोकार्पण

क्रांति समय | सूरत, उधना में 4.72 करोड़ रुपये की लागत से सूरत एस.टी. विभाग द्वारा नवनिर्मित आर.सी.सी. फ्रेम स्ट्रक्चर वाले सुविधायुक्त डिपो-वर्कशॉप का गृह एवं परिवहन मंत्री श्री हर्ष सांघवी द्वारा लोकार्पण किया गया.

इस अवसर पर परिवहन राज्य मंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों में गुजरात में हजारों नई बसें सार्वजनिक परिवहन सेवा में शुरू की गई हैं. गुजरात एस.टी. के इतिहास में पहली बार प्रतिदिन 25 लाख यात्रियों को परिवहन सेवा देने में सफलता मिली है. उन्होंने आशा व्यक्त की कि आगामी समय में प्रतिदिन 30 लाख यात्री बसों में यात्रा करेंगे. सूरत में नया डिपो-वर्कशॉप स्थानीय बसों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित होगा. उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में दो दिन पहले 20 नई हाईटेक वोल्वो बसों की शुरुआत की गई है, जिसमें सूरत को 8, राजकोट को 8 और वडोदरा को 4 बसें आवंटित की गई हैं. आगामी दिनों में कुल 80 नई हाईटेक वोल्वो बसें शुरू की जाएंगी. इन बस सेवाओं का लाभ नवरात्रि और दिवाली जैसे त्योहारों में भी मिलेगा. यात्रियों की सुरक्षा के लिए इन हाईटेक वोल्वो बसों में उसी तकनीक का उपयोग किया गया है जो सबमरीन में उपयोग होती है, जिससे यात्रा सुरक्षित और आरामदायक होगी.

सुविधायुक्त नए वर्कशॉप में टायर रूम,

मैकेनिकल रेस्ट रूम, ऑयल रूम, स्टोर रूम, वॉटर रूम, इलेक्ट्रिक रूम, रिकॉर्ड रूम, डिपो मैनेजर केबिन, एडमिन ऑफिस, क्लास 1/2 रेस्ट रूम, डॉर्मेटरी और शौचालय - हेंडीकैप शौचालय जैसी सुविधाएं प्रदान की गई हैं.

इस अवसर पर सांसद मुकेश दलाल, विधायक मनुभाई पटेल, अरविंद राणा, प्रवीण घोघारी, कलेक्टर डॉ. सौरभ पारधी, एस.टी. निगम के सचिव रवि निर्मल, जनरल मैनेजर ए.बी. जोशी, एस.टी. के विभागीय निदेशक पी.वी. गुर्जर, डिप्टी मेयर डॉ. नरेंद्र पाटिल, विभागीय परिवहन अधीक्षक एम.वी. वाढेर और सूरत ग्रामीण डिपो मैनेजर एम.वी. चौधरी, शहर अध्यक्ष निरंजन झांझमेरा, अग्रणी कालुभाई भीमनाथ, सोमनाथ मराठे सहित एस.टी. अधिकारी-कर्मचारी और नगरवासी उपस्थित थे.

सूरत के संवेदनशील क्षेत्रों में SRP की फ्लैग मार्च और ड्रोन सर्विलांस

क्रांति समय | सूरत के सैयदपुरा गणेश पंडाल पर पथराव की घटना के बाद सूरत पुलिस हाई अलर्ट पर है. पुलिस गणेश विसर्जन और ईद के पर्व पर किसी भी प्रकार के दंगे या अप्रिय घटना से बचने के लिए पूरी तरह सतर्क है. सूरत पुलिस द्वारा संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया जा रहा है, और ड्रोन सर्विलांस के जरिए भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है. साथ ही, सोशल मीडिया और असामाजिक तत्वों पर भी पुलिस नजर बनाए हुए है.

सैयदपुरा पुलिस चौकी के पास हुई घटना के बाद अब सूरत पुलिस पूरी तरह सतर्क है. सूरत पुलिस कमिश्नर स्वयं संवेदनशील क्षेत्रों में शांति समिति की बैठक आयोजित कर रहे हैं. दूसरी ओर, सभी संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया जा रहा है. उधना, लिम्बायत, अठवा, नानपुरा, और रांदर जैसे क्षेत्रों में स्रक्क की टीम द्वारा तलाशी अभियान चलाया जा रहा है. दिन में ही नहीं, बल्कि रात के समय भी फ्लैग मार्च किया जा रहा है. ईद और गणेश विसर्जन के दौरान किसी असामाजिक तत्व द्वारा कोई साजिश न हो, इसके लिए पुलिस हाई अलर्ट पर है.

कॉम्बिंग, फुट पेट्रोलिंग, और फ्लैग मार्च के साथ पुलिस 300 से अधिक असामाजिक

तत्वों पर कड़ी नजर रख रही है, जिनके खिलाफ पूर्व में दंगों समेत गंभीर अपराध दर्ज हैं. इसके अलावा, सोशल मीडिया पर ऐसी पोस्टों पर भी निगरानी रखी जा रही है, जो अफवाह फैला सकती हैं या धार्मिक भावनाओं को आहत कर सकती हैं.

सूरत पुलिस द्वारा संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सावधानी बरती जा रही है. इसके लिए 13,000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं. साथ ही, 7,000 होम गार्ड और 8 स्रक्क की टीमें भी सूरत के संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात हैं. इस बार गणेश विसर्जन से पहले ईद भी होने के कारण दोनों त्योहारों को शांतिपूर्वक मनाने के लिए सूरत पुलिस ने विशेष रणनीति तैयार की है.

आशा व छंद को छोड़, परम सुख प्राप्ति की ओर हो गति- युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण

क्रांति समय | सूरत, डायमंड सिटी सूरत में वर्ष 2024 का चतुर्मास करने वाले जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के वर्तमान अधिशास्ता, अध्यात्मवेत्ता आचार्यश्री महाश्रमणजी की मंगल सन्निधि में प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु देश-विदेश से उपस्थित हो रहे हैं और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं. दूसरी ओर नित नए कार्यक्रमों के साथ तेरापंथ धर्मसंघ के विभिन्न संस्थाओं के अधिवेशन का दौर भी जारी है. शुक्रवार को आचार्यश्री की मंगल सन्निधि में मुख्य प्रवचन कार्यक्रम के साथ तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम द्वारा टीपीएफ गौरव सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया.

जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशमाधिशास्ता, मानवता के मसीहा आचार्यश्री महाश्रमणजी ने महावीर समवसरण में उपस्थित जनता को 'आयारो' आगम के माध्यम से पावन पाथेय प्रदान करते हुए कहा कि आदमी के भीतर आशा, लोभ, तृष्णा आदि की वृत्ति होती है. इन्द्रियों सुखों में वर्तन करने की मनोवृत्ति भी हो सकती है. मानव के भीतर अनादिकाल से मोहनीय कर्म है. जो वीतराग बन जाते हैं, उनमें लोभ की चेतना नहीं रहती. सामान्य लोगों में लोभ की वृत्ति रहती है. किसी में ज्यादा और किसी में कम हो सकता है. लोभ के कारण आदमी के मन में गुस्सा और निराशा भी हो सकती है. कामना और दुःख दोनों का संबंध है.

दुनिया में दुःख है तो दुःख मुक्ति का मार्ग भी प्रशस्त है. दुःख का कारण लोभ, कषाय, कामना, आश्रव है तो संवर और निर्जरा दुःख मुक्ति का मार्ग है. आदमी को अपने जीवन में भोगों की अभिलाषा का परित्याग का प्रयास करना चाहिए. इन्द्रियों के सुख को छोड़कर आदमी परम सुख को प्राप्त कर सकता है. अलोभ की चेतना को पुष्ट करने के लिए संतोष की भावना का विकास

करने का प्रयास करना चाहिए. आयारो में आशा और छंद को छोड़कर अलोभ और संतोष की अनुप्रेक्षा का प्रयास हो. आदमी जितनी कामना करता है, उसके साथ दुःख का भी आगमन होता है. जो असंतोषी होता है, वह मूढ़ होता है, पंडित, साधक लोग संतोष को धारण करने वाले होते हैं.

भौतिक दुनिया में पैसे का बड़ा प्रभाव होता है. आवश्यकताओं की पूर्ति और अनुगमन करने वाले लोग भी बन जाते हैं. जीवन में इच्छाओं का परिमाण करने का प्रयास करना चाहिए. रहन-सहन में सादगी रहे. आशा और छन्द को छोड़कर आदमी परम सुख प्राप्ति की दिशा में गति कर सकता है.

अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के अध्यक्ष श्री अविनाश नाहर अनेक पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं के नामों की घोषणा की. आचार्यश्री की मंगल सन्निधि में आज तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के द्वारा गौरव सम्मान समारोह का समायोजन किया गया. यह सम्मान श्री विजय कोठारी को प्रदान किया गया. टीपीएफ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री नवीन चोरड़िया व पुरस्कारप्राप्तकर्ता श्री कोठारी ने अपनी भावाभिव्यक्ति दी. इस संदर्भ में आचार्यश्री ने पावन आशीर्वाद प्रदान किया. इस समारोह का संचालन तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के महामंत्री श्री विमल शाह ने किया.

पश्चिम रेलवे द्वारा उधना एवं गाजीपुर सिटी के बीच साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

क्रांति समय | सूरत, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से ट्रेन संख्या 09061/09062 उधना-गाजीपुर सिटी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के फेरों को मौजूदा संरचना, समय और ठहराव आदि के साथ विशेष किराए पर विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है.

ट्रेन का विवरण निम्नानुसार है:

• ट्रेन संख्या 09061/09062 उधना-गाजीपुर सिटी साप्ताहिक स्पेशल का विस्तारित ट्रेन संख्या 09061 उधना-गाजीपुर सिटी साप्ताहिक स्पेशल, जिसे पहले 28 अगस्त, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 18 सितंबर से 6 नवंबर, 2024 तक विस्तारित कर दिया गया है.

• ट्रेन संख्या 09062 गाजीपुर सिटी-उधना साप्ताहिक स्पेशल, जिसे पहले 30

अगस्त, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 20 सितंबर से 8 नवंबर, 2024 तक विस्तारित कर दिया गया है.

ट्रेनों के समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं.